● जयपुर, मंगलवार, 15 अक्टूबर 24 ● वर्ष 14 ● अंक 59 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

"सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।"

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 निवेश के लिहाज से राजस्थान देश का सबसे मुफ़ीद प्रदेशः झाबर सिंह ....

पेज @4 पूजा के दौरान जिले में नौ दुर्घटनाएं...

पेज @8 गुटबाज़ी में फँसे सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता...

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जर्मनी को 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट– 2024 का 'पार्टनर कंट्री' बनने के लिए आमंत्रित किया

नीमराणा जापानी निवेश क्षेत्र की तर्ज पर जर्मनी की कंपनियों के लिए राजस्थान एक विशेष निवेश क्षेत्र स्थापित करने के लिए तैयारः मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा

मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने म्यूनिख में बवेरिया के चांसलर और संघीय मामलों के राज्य मंत्री से मुलाकात की, राजस्थान में कार्यालय स्थापित करने के लिए बवेरिया राज्य को आमंत्रित किया

चमकता राजस्थान

जयपुर। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट–2024 के तहत राज्य में निवेश बढ़ाने हेतु यूरोप के निवेशकों और कंपनियों से मुलाकात के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार से जर्मनी के दौरे पर है। अपने दौरे की शुरूआत में प्रतिनिधिमंडल ने बवेरिया राज्य चांसलरी के प्रमुख और संघीय मामलों के राज्य मंत्री डॉ. फ्लोरियन हरमन के साथ म्यूनिख में मुलाकात की। इस बैठक के दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने जर्मनी को 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट– 2024 का 'पार्टनर कंट्री' बनने के लिए आमंत्रित किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने नीमराणा जापानी निवेश क्षेत्र की तर्ज पर राजस्थान में जर्मन निवेशकों के लिए एक विशेष निवेश क्षेत्र स्थापित करने की भी पेशकश की। डॉ. हरमन से हुई इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने जर्मनी के बवेरिया राज्य और राजस्थान के बीच एक ''-सिस्टर पार्टनरशिप'' स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा जिसमें अक्षय ऊर्जा पर विशेष जोर दिया जाएगा। बवेरिया और राजस्थान के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए इस बैठक में राजस्थान में बवेरिया का एक कार्यालय स्थापित करने का भी मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया और राज्य में निवेश आकर्षित करने में जर्मन सरकार से सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। इस बैठक के दौरान बवेरिया और राजस्थान के बीच स्किल्ड मैनपावर की जरुरतों को पूरा करने के लिए लिए आपसी साझेदारी पर भी चर्चा की गई।

बवेरिया राज्य चांसलरी के प्रमुख और संघीय मामलों के राज्य मंत्री डॉ. हरमन से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री शर्मा के अलावा उपमुख्यमंत्री सुश्री दिया कुमारी, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, म्यूनिख में भारत के महावाणिज्यदूत शत्रुघ्न सिन्हा, डिस्कॉम्स की अध्यक्ष और जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक सुश्री आरती डोगरा, उद्योग विभाग और ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट्स (बीआईपी) के आयुक्त रोहित गुप्ता और राजस्थान सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि हमने जर्मनी सरकार के प्रतिनिधियों के साथ आज बहुत ही उपयोगी चर्चा की। जर्मनी भारत के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक और रणनीतिक साझेदारों में से एक है और विभिन्न मामलों में उसकी तकनीकी विशेषज्ञता विश्व प्रसिद्ध है। अपनी मुलाकात के दौरान हमने उनसे तकनीकी सहयोग और राजस्थान में निवेश बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की। जापानी निवेशकों के लिए नीमराणा जोन की तरह ही राजस्थान में जर्मन निवेशकों के लिए भी हम एक विशेष निवेश जोन स्थापित करने के लिए तैयार हैं।

इसके बाद मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने म्यूनिख स्थित डॉयचेस म्यूजियम का भी दौरा किया जो 1903 में स्थापित एक प्रमुख विज्ञान एवं उद्योग संग्रहालय है। डॉयचेस म्यूजियम के दौरे में राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने डॉयचेस म्यूजियम और जयपुर के अल्बर्ट हॉल म्यूजियम के बीच व्यापक सहयोग पर चर्चा की जिसमें दोनों संग्रहालयों द्वारा संयुक्त प्रदर्शनियों का आयोजन, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पर्यटन को बढ़ावा देना, स्टेम के तहत अनुसंधान कार्यक्रमों में आपसी सहयोग, डॉयचेस संग्रहालय में राजस्थानी युवाओं के लिए इंटर्नशिप के अवसर पैदा करना और राजस्थान में अन्य ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना शामिल है। दोनों संग्रहालयों के बीच इस सहयोग का उद्देश्य सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पर्यटन को बढ़ावा देना है। जयपुर का अल्बर्ट हॉल संग्रहालय अपनी इंडो-सारसेनिक वास्तुकला और राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को व्यापक रूप से प्रदर्शित करने के लिए प्रसिद्ध है।

इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने हाइड्रोजन और डायरेक्ट मेथनॉल फ्यूल सेल्स की अग्रणी कंपनी एसएफसी एनर्जी एजी के परिसर का भी दौरा किया और इस दौरान एसएफसी एनर्जी को राजस्थान में निवेश करने हेतु आमंत्रित किया। यहां हुई बैठक के दौरान राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने एसएफसी एनर्जी के अधिकारियों को अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान की अग्रणी भूमिका, हरित ऊर्जा के प्रति राज्य के महत्वाकांक्षी लक्ष्य और फ्यूल सेल्स के उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश के अंदर मौजूद संभावनाओं की जानकारी भी दी। इस बैठक के दौरान एसएफसी एनर्जी ने राज्य के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने में रुचि दिखाई।

इससे पहले म्यूनिख पहुंचने पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल का राजस्थान एसोसिएशन जर्मनी (आरएजी) के सदस्यों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान आरएजी के हरगोविंद सिंह राणा,शांतनु दवे और एसोसिएशन के अन्य सदस्य मौजूद थे। इस दौरान हुई बातचीत में मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने राजस्थान मूल के लोगों से अपनी जन्मभूमि से संबंधों को मजबूत बनाने का आ''ान किया और उन्हें प्रदेश में व्यवसाय करने के लिए आमंत्रित किया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने म्यूनिख में भारत के महावाणिज्यदूत शत्रुघ्न सिन्हा के साथ मुलाकात की और उन्हें राजस्थान में निवेश बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे आर्थिक और नीतिगत सुधारों के बारे में जानकारी दी।

अपने अंतिम कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल रात में अनिवासी राजस्थानी (एनआरआर) समुदाय के सदस्यों से मुलाकात करेगा। यह मुलाकात राज्य सरकार द्वारा राजस्थान मूल के लोगों को राज्य से जोड़ने और संबंधों को मजबूत बनाने के प्रयासों का हिस्सा है।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में आयोजित होने वाले 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 को सफल बनाने के लिए राज्य सरकार बड़े पैमाने पर देशी और विदेशी निवेशकों, संस्थाओं और कॉरपोरेट जगत के शीर्ष अधिकारियों से लगातार बैठकें कर रही हैं ताकि आने वाले समय में प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश हो सके और 'विकसित राजस्थान' के लक्ष्य को पूरा करने की ओर बढ़ा जा सके।

इसके तहत अब तक दिल्ली, मुंबई, सियोल , टोक्यो , ओसाका, दुबई ,अबू धाबी, ,दोहा और सिंगापुर में इन्वेस्टर रोड शो आयोजित किये जा चुके हैं ताकि निवेशकों को राजस्थान से जुड़ने, प्रदेश में निवेश हेतु आमंत्रित करने और उन्हें राज्य सरकार द्वारा बनायी गयी निवेशक-अनुकूल नीतियों और अवसरों से अवगत कराया जा सके। इस व्यापक आउटरीच के परिणामस्वरूप राजस्थान सरकार को अब तक 12.75 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव (एमओयू) प्राप्त हुए हैं, जो राज्य सरकार के प्रयासों में निवेशक और व्यापार समुदाय के जबरदस्त विश्वास को दर्शाता है।

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 एक नज़र में:

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का आयोजन इस साल 9, 10 और 11 दिसंबर को राजधानी जयपुर में होगा। इसका आयोजन राजस्थान सरकार के तत्वाधान में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन (बीआईपी) और राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन (रीको) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसका नोडल विभाग बीआईपी है।

इस त्रि-दिवसीय मेगा समिट का उद्देश्य देश-विदेश की बड़ी-छोटी कंपनियों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और निवेशकों को राज्य में आ कर काम करने के लिए आमंत्रित करना, प्रदेश में विभिन्न तरह के उद्योग-धंधे लगाने में मदद करना और अन्य सुविधाएँ मुहैय्या कराना है। इस ग्लोबल समिट के दौरान कृषि, अक्षय ऊर्जा, शिक्षा और कौशल, ऑटो और ईवी , इंफ्रास्ट्रक्चर, केमिकल और पेट्रो-केमिकल, पर्यटन, स्टार्टअप, खनन और ईएसडीएम/आईटी और आईटीईएस सहित विभिन्न क्षेत्रों पर विशेष सत्र का आयोजन होगा।

इन्वेस्टर रोड शो के जर्मनी और यूनाइटेड किंगडम में हो रहे कार्यक्रमों का आयोजन म्यूनिख में मौजूद भारत के वाणिज्य दूतावास और लंदन में मौजूद भारतीय उच्चायोग एवं फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सहयोग से किया जा रहा है। फिक्की 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का इंडस्ट्री पार्टनर है। इसके अलावा पीडब्ल्यूसी इंडिया इस इन्वेस्टमेंट समिट का नॉलेज पार्टनर है।

सेना अपने फायरिंग रेंज बढ़ाने की योजना पर कर रही काम

भारत पूर्वी तट पर नयी मिसाइल परीक्षण रेंज विकसित करेगा, सीसीएस ने मंजूरी दी

नयी दिल्ली । एजेंसी

माओवादियों के गढ़ अबूझमाड़ के घने वन क्षेत्र में भी युद्धाभ्यास रेंज स्थापित की जाएगी

एक तरफ भारत नयी-नयी मारक क्षमता वाली मिसाइलें विकसित कर-के एयरोस्पेस की दुनिया में अपना दबदबा कायम कर रहा है तो दूसरी तरफ भारतीय सेना भी लगातार अपने फायरिंग रेंज की संख्या बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है। सुरक्षा मामलों की केंद्रीय कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने आंध्र प्रदेश में एक नयी मिसाइल परीक्षण रेंज स्थापित करने को मंजूरी प्रदान कर दी है। इसके अलावा सेना ने माओवादियों के गढ़ अबूझमाड़ के घने वन क्षेत्र में विशाल सैन्य युद्धाभ्यास रेंज की स्थापना करने की प्रक्रिया शुरू की है।

डीआरडीओ रक्षा बलों के लिए बड़ी संख्या में हथियार प्रणालियों को विकसित करने के उन्नत चरण में है, जिसमें बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली, मानव पोर्टेबल एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल, एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल, त्वरित प्रतिक्रिया सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, वर्टिकल लॉन्च की गई छोटी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली और सामरिक डोमेन में कई अन्य प्रणालियां शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सीसीएस ने एक प्रस्ताव को मंजूरी दी है, जिसके अनुसार नयी मिसाइल रेंज आंध्र प्रदेश के नागयालंका क्षेत्र में स्थापित की जाएगी। नयी मिसाइल परीक्षण रेंज का इस्तेमाल सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, टैंक रोधी मिसाइल और सामरिक मिसाइल प्रणालियों के परीक्षण के लिए किया जाएगा। सीसीएस ने पिछले सप्ताह इसी बैठक में अमेरिका से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदने और भारतीय नौसेना के लिए दो परमाणु पनडुब्बियों के निर्माण को भी मंजूरी दी थी। डीआरडीओ इन परमाणु पनडुब्बियों के निर्माण में बड़ी भूमिका निभाएगा। भारतीय नौसेना को दो परमाणु ऊर्जा चालित हमलावर पनडुब्बियां मिलेंगी, जो हिंद महासागर क्षेत्र में नौसेना की क्षमताओं को कई गुना बढ़ाने में मदद करेंगी। यह सौदा लंबे समय से अटका हुआ था और भारतीय नौसेना इस पर जोर दे रही थी, क्योंकि यह पानी के भीतर क्षमता की कमी को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण आवश्यकता थी। बैठक में अंतरिक्ष आधारित क्षमताओं के साथ-साथ बलों के लिए सड़कें बनाने के प्रस्तावों को भी आगे बढ़ाया गया है।

इसके अलावा भारतीय सेना माओवादियों के गढ़ अबूझमाड़ के घने वन क्षेत्र में 545 वर्ग किलोमीटर में फैले एक विशाल सैन्य युद्धाभ्यास रेंज की स्थापना करेगी। इसका उपयोग एकीकृत युद्ध समूहों, स्ट्राइक कोर, लड़ाकू विमानन ब्रिगेड, रॉकेट फोर्स के अभ्यास के लिए किया जाएगा। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में फैला हुआ अबूझमाड़ 4,000 वर्ग किलोमीटर में फैला वन क्षेत्र है। छत्तीसगढ़ सरकार ने 07 अगस्त को नारायणपुर जिला प्रशासन से अबूझमाड़ के जंगलों के अंदर सेना के युद्धाभ्यास रेंज के लिए 54,543 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित करने को कहा है। पत्र में कहा गया था कि अबूझमाड़ के जंगलों में रेंज की स्थापना जिले के ओरछा तहसील के सोनपुर-गरपा क्षेत्र में की जाएगी।

चीन से गतिरोध के बीच उत्तरी सीमा पर भारतीय सेना ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में एक नयी उच्च ऊंचाई वाली पहली फायरिंग रेंज स्थापित की है। यह युद्धाभ्यास रेंज सामरिक युद्ध अभ्यास के लिए महत्वपूर्ण है।

अर्थशास्त्र में इस बार तीन अमेरिकी शोधकर्ताओं को मिला नोबेल पुरस्कार

सामाजिक संस्थाओं के महत्व को सामने लाने के लिए मिला नोबेल

नयी दिल्ली । एजेंसी

अर्थशास्त्र में इस बार का नोबेल पुरस्कार किसी देश की समृद्धि में सामाजिक संस्थाओं के महत्व को प्रदर्शित करने के लिए तीन अमेरिकी अर्थशास्त्रियों- डारोन एसेमोग्लू, साइमन जॉनसन और जेम्स रॉबिन्सन को दिया गया है। इन शोधकर्ताओं ने यह समझने में मदद की कि कानूनी रूप से खराब शासन वाले समाज और जनसंख्या का शोषण करने वाली संस्थाएं विकास या बेहतरी के लिए परिवर्तन उत्पन्न क्यों नहीं करती हैं। इन वैज्ञानिकों ने यह स्थापित किया कि समावेशी संस्थानों से सभी का दीर्घकालिक लाभ होता है।

आर्थिक विज्ञान में पुरस्कार समिति के अध्यक्ष जैकब स्वेन्सन कहते है कि देशों के बीच आय में व्यापक अंतर को कम करना हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। पुरस्कार विजेताओं ने इसे प्राप्त करने के लिए सामाजिक संस्थानों के महत्व का प्रदर्शन किया है।

डारोन एसेमोग्लू 1967 में इस्तांबुल, तुर्किये में पैदा हुए। उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस से पीएचडी की और अब वे कैंब्रिज के मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में प्रोफेसर हैं। साइमन जॉनसन का जन्म 1963 में ब्रिटेन के शेफील्ड में हुआ। उन्होंने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से पीएचडी की और वहीं प्रोफेसर हैं। जेम्स ए. रॉबिन्सन का जन्म 1960 में हुआ। उन्होंने पीएचडी येल यूनिवर्सिटी, न्यू हेवन, सीटी, यूएसए से की। शिकागो विश्वविद्यालय, आईएल, यूएसए में वे प्रोफेसर हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार सख्त कार्रवाई की दरकार

बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों एवं हिन्दुओं पर हो रहे हमले, मशहूर जेशोश्वरी मंदिर में मुकुट का चोरी होना, हिन्दू अल्पसंख्यकों से जबरन इस्तीफा के लिये दबाव बनाने की घटनाएं, दुर्गा पूजा के पंडाल पर हमले चिन्ता के बड़े कारण हैं, यह हिन्दू अस्तित्व एवं अस्मिता को कुचलने की साजिश एवं षड्यंत्र है, जिस पर भारत सरकार को गंभीर होने के साथ इन पर नियंत्रण की ठोस कार्रवाई की अपेक्षा है। बीते अगस्त में शुरू हुई राजनीतिक उथल-पुथल के बीच शेख हसीना का प्रधानमंत्री पद से हटना और भारत आने के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों को असामाजिक तत्वों व कट्टरपंथियों द्वारा हवा दिया जाना शर्मनाक एवं विडम्बनापूर्ण है। नई दिल्ली में बांग्लादेश के हिन्दू-अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के प्रश्न को लेकर बार-बार चिंता तो व्यक्त की जा रही है, लेकिन करारा एवं सख्त संदेश देने की कोई कोशिश होती हुई नहीं दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा सरकार के शासन में यदि ऐसी घटनाओं पर सख्ती नहीं बरती गयी तो फिर कब बरती जायेगी? यह विडंबना ही है कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता व कार्यवाहक रूप में सरकार के मुखिया का दायित्व निभा रहे मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में हिन्दुओं एवं हिंदू पहचान के प्रतीकों को निशाना बनाया जाना बदस्तूर रहना किसी अन्तर्राष्ट्रीय साजिश का हिस्सा हो सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख श्री मोहन भागवत ने नागपुर में विजयदशमी पर्व पर आयोजित रैली को सम्बोधित करते हुए हिन्दुओं पर हो रहे इन हमलों को लेकर बड़ा संदेश दिया है, अपेक्षा है सरकार भी जैसे को तैसे वाली स्थिति में आकर हिन्दुओं की रक्षा की सार्थक एवं प्रभावी पहल करें। बांग्लादेश की आबादी में 7.95 फीसदी-सवा करोड़ से ज्यादा हिंदू शामिल हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में हिंदुओं के खिलाफ जो कुचक्र रचे गये, उसी तरह की साजिश बांग्लादेश में सिर उठा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो महीने में बांग्लादेश के 52 जिलों में हिंदू समुदाय पर हमले की 200 से ज्यादा घटनाएं हुई। आज बांग्लादेश सांप्रदायिकता एवं कट्टरता की आग में झुलस रहा है। सांप्रदायिकता और धार्मिक कट्टरता लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। दोराहे पर खड़े बांग्लादेश में यह खतरा बढ़ता जा रहा है। खतरे की गंभीरता को देखते हुए वहां अंतरिम सरकार ने हिंदू मंदिरों, गिरजाघरों या अल्पसंख्यकों के किसी भी धार्मिक संस्थान पर हमलों की जानकारी देने के लिए हॉटलाइन शुरू की थी, लेकिन कितनी ही शिकायतें मिलने के बावजूद उन पर कार्रवाई का न होना, इनको लेकर मोहम्मद यूनुस सरकार का चुप्पी साधे रखना इस समस्या को गंभीर बना रहा है। बांग्लादेश के कट्टरपंथी वहां के हिंदुओं के लिए ही नहीं, भारत की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रहे हैं। इन हमलों एवं कट्टरतावादी शक्तियों का सक्रिय होना भारत एवं बांग्लादेश दोनों ही देशों के लिये खतरनाक है। कट्टरपंथियों के निरंकुश बने रहने से वहां की सरकार के इरादे और इच्छाशक्ति सवालों के घेरे में है।

भारत ने उचित तरीकों से ही इन घटनाओं को बेहद गंभीर बताते हुए इन पर न केवल चिंता जताई बल्कि अपनी आपत्ति भी दर्ज कराई। गौर करने की बात है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का यह मसला धीरे-धीरे दोनों देशों के रिश्तों में खटास घोलते हुए एक अहम फैक्टर बनता जा रहा है। दुर्गापूजा के पंडाल में बम फेंके जाने की खबर स्वाभाविक ही बांग्लादेशी हिंदू बिरादरी को सहमा एवं डरा देने वाली है। जेशोश्वरी मंदिर में मां काली के ताज की चोरी इस मायने में भी अहम है कि यह ताज 2021 में अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तोहफे के तौर पर दिया था। यही नहीं, गुरुवार को चटगांव में दुर्गापूजा के दौरान कुछ लोगों द्वारा जबरन इस्लामी क्रांति के गीत गाए जाने की भी खबर आई। ऐसे में भारत अगर इन घटनाओं के पीछे सुनियोजित साजिश की आशंका जता रहा है तो उसे निराधार नहीं कहा जा सकता। ऐसे में लगातार बिगड़ती स्थितियों में यूनुस और उनके सहयोगियों को शासन और कूटनीति से जुड़े गंभीर मसलों पर परिपक्वता दिखानी होगी। आंदोलन से जुड़े गैर जिम्मेदार तत्व अनाप-शनाप आरोप लगाएं तो कुछ हद तक समझा जा सकता है लेकिन अगर शासन में बैठे लोग भी इन तत्वों का समर्थन करते हुए दिखें तो उसे सही नहीं कहा जा सकता। यह एक अराजकता की स्थिति है। बांग्लादेश में बद से बदतर हो रहे हालात एवं हिंदुओं पर लगातार हो रहे अत्याचार, उत्पीड़न, हमलों को लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने सावधान कर कोई गलत नहीं किया। सक्रिय, व्यवस्थित और संगठित होकर ही ऐसी नापाक एवं संकीर्ण मानसिकताओं का माकूल जवाब दिया जा सकता है। भागवत ने कहा, ''दुर्बल रहना अपराध है, हिंदू समाज को ये समझना चाहिए। अगर आप संगठित नहीं रहते हैं, तो आपको मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।'' देश के दुश्मनों की ओर इशारा करते हुए मोहन भागवत ने कहा, ''भारत लगातार आगे बढ़ रहा है, लेकिन जब कोई भी देश जो आगे बढ़ रहा होता है तो उसकी राह में अड़ंगा लगाने वाले लोग भी बहुत सारे होते हैं। इसलिए दूसरे देशों की सरकारों को कमजोर करना दुनिया में चलता रहता है।' लेकिन किसी राष्ट्र को कमजोर करने के लिये हिंदुओं यानी अल्पसंख्यकों पर हमलों का सहारा लेना, उन्हें प्रोत्साहित करना विकृत एवं अराष्ट्रीय मानसिकता का द्योतक है। वैसे भी बांग्लादेश का विकास भारत के सहयोग पर निर्भर है, जिस भू-भाग को रवीन्द्रनाथ टैगोर 'आमार सोनार बांग्ला' (मेरा स्वर्णिम बंगाल) कहते थे, जहां की अर्थ-व्यवस्था एवं अन्य विकास योजनाएं भारत के सहयोग से ही आगे बढ़ती रही है, कभी भारत की कोशिशों से ही बांग्लादेश अस्तित्व में आया था। बांग्लादेश को आधी से ज्यादा बिजली भारत से मिलती है। अनाज की बड़ी सप्लाई भी भारत से होती है। अगर भारत ने व्यापारिक संबंध तोड़ लिए तो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था चौपट हो सकती है। बावजूद इन सब स्थितियों के वहां भारत-विरोधी घटनाओं का उग्र से उग्रतर होना खुद के पांव पर कुल्हाड़ी चलाने जैसा है। बांग्लादेशी आकाओं को भगवान सद्बुद्धि दे। फिर भी अगर बांग्लादेश नहीं सुधरता है तो समय आ गया है कि हिंदुओं को निशाना बनाने की घटनाओं पर भारत कड़ा रुख अख्तियार करे। बांग्लादेश पर दबाव बनाने के साथ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को पुरजोर ढंग से उठाना चाहिए। इसके लिए कूटनीतिक प्रयास तेज करने की जरूरत है।

हिन्दू धर्म भारत की संस्कृति एवं आत्मा है। हिन्दू धर्म संयम, त्याग और बलिदान का धर्म है। इसमें हमेशा दूसरे धर्मों को सम्मान देने का काम किया है। हिन्दू धर्म उदारता, प्रेम, आपसी सद्भाव और सहनशीलता पर आधारित धर्म है। हिन्दू धर्म की सहिष्णुता को कमजोर मानकर हिन्दू धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कार्य लगातार होता रहा है। वैसे तो प्रत्येक धर्म की अपनी मान्यताएं होती हैं, किन्तु विकृत मानसिकता वाले लोगों ने हिन्दू धर्म को मध्यकाल से ही नीचा दिखाने की कोशिशें कीं। भारत पर लगातार आक्रांताओं के हमले होते रहे और बड़े पैमाने पर धर्मांतरण कराया गया। हिन्दुओं के लाखों मंदिर तोड़े गए। हिन्दुओं से अपने ही देश में हिन्दू होने पर 'जजिया' यानि कर लगाया गया। पूर्व की सरकारों ने भी वोट की राजनीति के चलते हिन्दुओं को दोयम दर्जा पर रखा। फिर भी हिन्दू धर्म ने उदारता और सहनशीलता को नहीं छोड़ा। अगर हिन्दू कट्टर होता तो अन्य धर्मों के लोग भारत में नहीं दिखते। देश बंटवारे के समय पाकिस्तान में 20 प्रतिशत से ज्यादा हिन्दू थे लेकिन आज उनकी आबादी 2 प्रतिशत भी नहीं रही और भारत में मुसलमानों की आबादी 2 प्रतिशत से 20 प्रतिशत नहीं होती। यह हिन्दू उदारता का ही परिणाम है। लेकिन प्रश्न है कि आखिर कब तक हिन्दू ऐसी अग्नि परीक्षा देता रहेगा? कब तक हिन्दू की सहिष्णुता को कमजोरी मानकर उन पर अत्याचार होते रहेंगे? कब तक हिन्दू शक्तिसम्पन्न होकर भी निर्बल बना रहेगा? इन सवालों के जबाव तलाशने होंगे वर्ना हिन्दुओं को अस्तित्वहीन करने की कोशिशें कामयाब होती रहेगी।

कब भुखमरी व भूखे लोगों की दुनिया से मिलेगी निजात?

ललित गर्ग

विश्व खाद्य दिवस 16 अक्टूबर को दुनिया भर में हर साल मनाया जाने वाला एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है। 1945 में संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन की स्थापना उपलक्ष्य में यह दिवस भूख और खाद्य सुरक्षा से संबंधित कई अन्य संगठनों द्वारा व्यापक रूप से मनाया जाता है, जिसमें विश्व खाद्य कार्यक्रम, विश्व स्वास्थ्य संगठन और कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष शामिल हैं। डब्ल्यूएफपी को भूख से लड़ने, संघर्ष क्षेत्रों में शांति में योगदान देने और युद्ध और संघर्ष के लिए हथियार के रूप में भूख के इस्तेमाल को रोकने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए 2020 का शांति का नोबेल पुरस्कार मिला। साल 2024 की थीम है बेहतर जीवन और बेहतर भविष्य के लिए भोजन का अधिकार।' आज भारत एवं अन्य देशों में भोजन की बर्बादा को रोकना भी प्रमुख प्राथमिकता बननी चाहिए। भारत सरकार भी हर व्यक्ति तक भोजन की पहुँच और विशेष रूप से कमज़ोर वर्ग के लिए 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' व अंत्योदय अन्न योजना जैसे कार्यक्रम चलाती है। विश्व की करीब दो अरब तीस करोड़ आबादी को भूखमरी एवं भूख का सामना करना पड़ रहा है। दो वक्त की भोजन सामग्री जुटाने के लिए इस आबादी को जिन मुश्किलों, संकटों एवं त्रासद स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, वह विश्व की सरकारों एवं व्यवस्थाओं के विकास के बयानों को बेमानी सिद्ध करता है। संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना महामारी और उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध ने भूखमरी को विकट बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया 2030 तक सभी रूपों में भूख, खाद्य असुरक्षा, स्वास्थ्य और कुपोषण को खत्म करने के अपने लक्ष्य से और दूर जा रही है। लेकिन भारत-सरकार के प्रयासों से भारत में कुपोषण एवं भूखमरी से उबरने की सफल कोशिशें हो रही है। भारत की टिकाऊ और स्वस्थ खाने की आदतों की दिशा में प्रगति स्पष्ट है। खेत से लेकर मेज तक का आंदोलन जोर पकड़ रहा है, जो उपभोक्ताओं को ताजा, स्थानीय रूप से प्राप्त उपज से जोड़ रहा है। खाद्य उद्यमियों की सफलता की कहानियाँ लचीलापन और नवाचार को दर्शाती हैं, जो एक जीवंत खाद्य परिदृश्य में योगदान देती हैं। अत्याधुनिक खाद्य प्रौद्योगिकी नवाचारों के साथ, भारतीय खाद्य उद्योग विकसित हो रहा है, जिससे दक्षता और कम बर्बादी सुनिश्चित हो रही है।

कुपोषण और भुखमरी से जुड़ी वैश्विक रिपोर्टें न केवल चौंकाने बल्कि सरकारों की नाकामी को उजागर करने वाली ही होती हैं। विश्वभर की शासन-व्यवस्थाओं का

नाकामी एवं शैतानों की शरणस्थली बनना एक शर्मनाक विवशता है। लेकिन इस विवशता को कब तक ढोते रहेंगे और कब तक दुनिया भर में कुपोषितों का आंकड़ा बढ़ता रहेगा, यह गंभीर एवं चिन्ताजनक स्थिति है। लेकिन ज्यादा चिंताजनक यह है कि तमाम कोशिशों और दावों के बावजूद कुपोषितों और भुखमरी का सामना करने वालों का आंकड़ा पिछली बार के मुकाबले हर बार बढ़ा हुआ ही निकलता है। रिपोर्टें बताती हैं कि ऐसी गंभीर समस्याओं से लड़ते हुए हम कहां से कहां पहुंचे है। इसी में एक बड़ा सवाल यह भी निकलता है कि जिन लक्ष्यों को लेकर दुनिया के देश सामूहिक तौर पर या अपने प्रयासों के दावे करते रहे, उनकी कामयाबी कितनी नगण्य एवं निराशाजनक है। कुपोषण, गरीबी, भूख में सीधा रिश्ता है। यह दो-चार देशों ही नहीं, बल्कि दुनिया के बहुत बड़े भूभागों के लिए चुनौती बनी हुई है। दुनिया से लगभग आधी आबादी इन समस्याओं से जूझ रही है। इसलिए यह सवाल तो उठता ही रहेगा कि इन समस्याओं से जूझने वाले देश आखिर क्यों नहीं इनसे निपट पा रहे हैं? इसका एक बड़ा कारण आबादी का बढ़ना भी है। गरीब के संतान ज्यादा पैदा होती है क्योंकि कुपोषण में आबादी ज्यादा बढ़ती है। विकसित राष्ट्रों में आबादी की बढ़त का अनुपात कम है, अविकसित और निर्धन राष्ट्रों की आबादी की बढ़त का अनुपात ज्यादा है। भुखमरी पर स्टैंडिंग टुगेदर फॉर न्यूट्रीशन कंसोर्टियम ने आर्थिक और पोषण डाटा इकट्ठा किया, इस शोध का नेतृत्व करने वाले सासकिया ओसनदार्प अनुमान लगाते हैं कि जो महिलाएं अभी गर्भवती हैं वो ऐसे बच्चों को जन्म देंगी जो जन्म के पहले से ही कुपोषित हैं और ये बच्चे शुरू से ही कुपोषण के शिकार रहेंगे। एक पूरी पीढ़ी दांव पर है।'' अफ्रीकी देशों से आने वाली तस्वीरें डराती हैं। खाने के एक-एक पैकेट के लिए हजारों की भीड़ उमड़ पड़ती है। ऐसे में पौष्टिक भोजन की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती। महंगाई के कारण मध्य और निम्न वर्ग के लोग अपने खान-पान के खर्च में भारी कटौती के लिए मजबूर होते हैं। ऐसे में एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए निर्धारित मानकों वाले खाद्य पदार्थ उनकी पहुंच से दूर हो जाते हैं। पौष्टिक भोजन के अभाव में लोग गंभीर बीमारियों की जद में आने लगते हैं।

गरीब मुल्कों की मदद के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम को तेज करने की जरूरत है। विकासशील देशों को ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो गरीबी, कुपोषण एवं भुखमरी दूर कर सकें। सत्ताएं ठान लें तो हर नागरिक को पौष्टिक भोजन देना मुश्किल भी नहीं है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी बाधा शासन-व्यवस्थाओं में बढ़ता भ्रष्टाचार है। गलत जब गलत न लगे तो यह मानना चाहिए कि बीमारी गंभीर है। बीमार व्यवस्था से स्वस्थ शासन की उम्मीद कैसे संभव है? संयुक्त राष्ट्र की ताजा वैश्विक खाद्य सुरक्षा रिपोर्ट में दुनिया में भुखमरी की स्थिति पहले के मुकाबले ज्यादा विकराल होने की स्थितियां तमाम विकास की तस्वीरों पर एक बदनुमा दाग है। दुनिया में उभरती आर्थिक महाशक्तियों, व्यवस्थाओं एवं विकास के बीच भूखे लोगों की तादाद में इजाफा होना दुनिया के विकास एवं संतुलित समाज की संरचना पर एक गंभीर प्रश्न है। कहीं-ना-कहीं दुनिया के विकास मॉडल में खामी है या वर्तमान सरकारों की कथनी और करनी में फर्क है। ऐसा लगता है कि विकास के लुभावने स्वरूप को कामयाबी माना जाने लगा है, लेकिन इसके बुनियादी पहलुओं को केंद्र में रखकर जरूरी कदम नहीं उठाए गए या उन पर अमल नहीं किया गया, तभी भूखमरी एवं भूखे लोगों की विडम्बनापूर्ण स्थितियां सुरसा की भांति बढ़ती ही जा रही है। यह कैसी संवेदनहीनता एवं उपेक्षापूर्ण मानसिकता है कि भूखमरी एवं कुपोषण की त्रासद एवं खौफनाक मसले पर किसी नई रिपोर्ट पर हैरानी तक नहीं होती, मगर इससे इतना जरूर पता चलता है कि विश्वभर में नीतियां बनाने और उन्हें लागू करने को लेकर कोई संतुलित रुख नहीं अपनाया जाता। यह शासन व्यवस्थाओं की नीति एवं नियत में खोट को ही दर्शाता है।

हमारी दुनिया विरोधाभासी एवं विडम्बनाओं से ग्रस्त है। एक तरफ भूखमरी तो दूसरी ओर महंगी दावतों और धनाढ्य वर्ग की विलासिताओं के अम्बार, बड़ी-बड़ी दावतों में जूठन की बहुतायत मानवीयता पर एक बदनुमा दाग है। इस तरह व्यर्थ होने वाले भोजन पर अंकुश लगाया जाए, विज्ञापन कंपनियों को भी दिशा निर्देश दिए जाएं, होटलों और शैक्षिक संस्थानों, दफ्तरों, कैंटीनों, बैठकों, शादी और अन्य समारोहों और अन्य संस्थाओं में खाना बेकार न किया जाए। इस भोजन का हम अपने समाज की बदहाली, भूखमरी और कुपोषण से छुटकारे के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। सरकारों के भरोसे ही नहीं, बल्कि जन-जागृति के माध्यम से ऐसा माहौल बनाना चाहिए। आखिर में खुद से पूछना चाहिए कि क्या हम अशांत, अस्थिर, हिंसक और अस्वस्थ समाज चाहते हैं या उसे बदलना चाहते हैं? क्या हम भूखमरी एवं भूखें लोगों की दुनिया के नागरिक होना चाहते है या खुशहाल एवं साधन-सम्पन्न नागरिकों की दुनिया के नागरिक?

भगवान राम ने किया था शक्ति जागरण

अवधेश झा

शक्ति परब्रह्म परमात्मा का ही अनंत स्त्रोत का क्रिया भाव है। इसलिए, शक्ति के माध्यम से ही विभिन्न भावों की प्राप्ति होती है और शक्ति से ही विभिन्न भावों का नाश होता है। शक्ति की अधिष्ठिता "महामाया" देवी हैं, जो अपनी योगमाया से ब्रह्मांड को शक्तिशाली और क्रियाशील रखी हैं। आदि शक्ति प्रकृति की मूल दुर्गा हैं जो महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती के रूप में विद्यमान हैं। पुरुष आत्म तत्व है तथा प्रकृति ही उसकी शक्ति है। इसलिए, शक्ति कभी भी आत्मा के विपरीत नहीं जाता है। शक्ति से ही शक्ति (सत्य भाव से) पर विजय प्राप्त किया जा सकता है। शक्ति ब्रह्मनिष्ट, आत्मनिष्ट या सत्यनिष्ठ पुरुष को हानि नहीं पहुंचाती है। शक्ति सुरक्षा और कवच भी है। शक्ति संकल्प और साधना भी है। रावण अपने कुल देवी की साधना कर उनसे सुरक्षा प्राप्त तो कर लिया। वास्तव में, साधना चाहे शुभ संकल्प के लिए हो या अशुभ कृत के लिए; माता तो तत्क्षण उसके साधना का फल तो दे ही देतीं हैं, लेकिन वह फलित नहीं हो पाता है।

श्रीराम और रावण का जब युद्ध प्रारंभ हुआ तो रावण को कुलदेवी की विशेष सुरक्षा के कारण युद्ध में उसे क्षति नहीं पहुंच रही थी। जामवंत इस बात से अवगत थे और उन्होंने प्रभु श्रीराम को भी दुर्गा शक्ति को जागृत करने की परामर्श दिया। प्रभु, बड़ों की अनुभव पूर्ण बात कैसे टाल सकते थे। उन्होंने, उनकी परामर्श को सहज ही स्वीकार किया तथा माता की आराधना हेतु संकल्प लिए और शक्ति जागरण हेतु साधना प्रारंभ कर दिए। युद्ध की ऐसी विकराल स्थिति जिसका द्रष्टा तीनों लोक था। देवता परिणाम की प्रतीक्षा में थे। उस रणभूमि के मध्य में तपस्वी, मनीषी और योगेश्वर राम "शक्ति जागरण" की साधना में लीन हो गए। प्रथम दिवस यम और नियम का पालन किए, तत्पश्चात शक्ति के सातों (कुंडलिनी) द्वार को खोलते हुए, वहां पहुंच गए जहां, शक्ति की अधिष्ठिता देवी सहस्त्रहार चक्र में अर्धनारीश्वर महादेव के साथ अवस्थित थीं। इस क्रम में, उन्होंने राम का परीक्षा लिया और अजेय राम सफल हुए तथा विजयश्री की प्राप्ति हुई। वास्तव में, माता आदि शक्ति भगवान की ही वहीरंगा शक्ति हैं और माता सीता प्रभु की अंतरंगा शक्ति हैं। प्रभु जिस आंतरिक शक्ति के लिए युद्ध आरंभ किए थे, स्वाभाविक है कि केवल बाहरी शक्ति को आज्ञा ही देना था और वो सक्रिय हो जाती। जब प्रभु श्रीराम आज्ञा चक्र तक की यात्रा किए तो शक्ति माता ने कहा, "आप केवल मुझे आज्ञा दीजिए मैं समस्त शक्ति के साथ आपके समक्ष उपस्थित हो जाऊंगी"। लेकिन, प्रभु मर्यादा पुरुषोत्तम हैं, नियमों की उपेक्षा कैसे कर सकते थे! इसलिए, सम्पूर्ण विधि विधान का पालन करते हुए, माता की आराधना किए तथा उन्हें जागृत किए और वरदान प्राप्त किया। वास्तव में, यह विजय दशमी भगवान राम द्वारा प्रारंभ किया हुआ तथा परब्रह्म परमेश्वरी से प्रेरित शक्ति जागरण है। इस जगत में अगर आप बाहरी युद्ध में विजय प्राप्त करना चाहते हैं तो सर्वप्रथम आंतरिक विजय आवश्यक है। अपने काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार आदि को माया के वशीभूत मत होने दीजिए। सत्य के लिए तथा सत्य में ही प्रतिष्ठित होकर युद्ध कीजिए। इस तरह से जीवन की प्रत्येक संग्राम में आपका विजय सुनिश्चित है। किसी भी भाव का अति रूप ही रावण है। इसलिए, वह अत्यधिक ज्ञानी और बुद्धिमान होते हुए भी, अत्यधिक अभिमानी, क्रोधी, अहंकारी, लोभी, कामना से ग्रसित तथा आसुरी प्रवृत्तियों में लिप्त होने से उसके समस्त शुभ गुण ऐसे ढका हुआ था, जैसे सूर्य बादल से ढक जाता है। भगवान अपने अमोघ शक्ति से उसके सारे अहंकार का नाश कर दिए और जैसे ही अहंकार का नाश हुआ, उसे अपने स्वरूप में प्रभु श्रीराम का दर्शन हो गया। इसलिए, अहंकार ही आत्मतत्व के दर्शन में सबसे बड़ा बाधक है।

शक्ति संकल्प से ही पूर्ण होता है। शक्ति का जागरण अगर शुभ संकल्प के लिए होता है तो उसका परिणाम चिरकाल तक व्याप्त रहता है। इसका उत्तम उदाहरण प्रभु श्रीराम हैं।अपने पंच भौतिक शरीर की जो शोधन क्रिया है उसमें भी शक्ति की ही आवश्यकता है। इसलिए, पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश और आत्म तत्व आदि का शोधन किया जाता है। माता की सम्पूर्ण शक्ति आपमें सुप्त रूप से विद्यमान है। इसे जागृत करने की आवश्यकता है। यही शक्ति माता हैं, जो महालक्ष्मी रूप भरण पोषण तथा धन - ऐश्वर्य प्रदान करती हैं। यही शक्ति दुर्गा रूप में समस्त कामनाओं की पूर्ति करती हैं और मुक्ति प्रदान करती हैं। यही शक्ति महासरस्वती हैं जो बुद्धि और ज्ञान प्रदान करती हैं, जिससे कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। ॐ श्रीसीता - रामाय नमः! ॐ क्लीं कृष्णाय नमः! ॐ दुं दुर्गायै नमः ! ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुंडायै विच्चे!

जिद और जुनून से बदलती है दुनिया

मुकुंद

बहुत बार कहा जाता है कि जिद, जज्बा और जुनून से दुनिया बदली जा सकती है। यह न तो मुहावरा है, न ही इसे लोकोक्ति कहा जा सकता है। मगर इन तीन शब्द का संकल्प जिसने भी लिया, समझो उसने आधी सफलता तो पहले ही प्राप्त कर ली। ...और आधी पर तो कार्यान्वयन के साथ जीत मिलनी तो तय है। ऐसा ही कुछ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में कहा जा सकता है। उनके फैसलों पर ऐसी ही दृढ़ इच्छाशक्ति झलकती है। वो अपने फैसलों पर चट्टान की तरह खड़े होते हैं। तारीख-15 अगस्त, 2021। स्थान-लाल किले की प्राचीर। इसी प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम गति शक्ति योजना की घोषणा की। तब किसी ने भी नहीं सोचा होगा कि यह योजना भारत के लोगों के जीवन को आसान करने में सहायक होगी। इस योजना के तीन साल 13 अक्टूबर को पूरे हुए हैं। बड़ी सूचना है कि पीएम गतिशक्ति योजना के तहत 208 प्रोजेक्ट्स के मंजूरी की सिफारिश हुई है। इनपर 15.39 लाख करोड़ रुपये खर्च होने हैं।

यह सड़क और रेलवे समेत अलग-अलग मंत्रालयों के प्रोजेक्ट्स हैं। इन सभी की सिफारिश नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप ने की है। इस ग्रुप ने पीएम गतिशक्ति योजना की घोषणा के बाद आकार लिया। इंडस्ट्रियल और इंटर्नल ट्रेड प्रोमोशन विभाग के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने कहा कि 208 प्रोजेक्ट्स को इस पहल के दायरे में शामिल करने के लिए प्रस्तावित किया गया है। वह कहते हैं कि पीएम गतिशक्ति योजना के तहत इंफ्रा प्रोजेक्ट्स को शामिल करने के कई तरह के फायदे होते हैं। इन प्रोजेक्ट्स की समय सीमा से लेकर प्लानिंग खर्च में भी कटौती होती है। इस सिफारिश में सबसे ज्यादा प्रोजेक्ट्स सड़क (101), रेलवे (73), शहरी विकास (12) और चार ऑयल और गैस मंत्रालय के हैं। यहां यह जानना बेहद अहम है कि केंद्र सरकार ने लॉजिस्टिक्स खर्च कम करने और इंटीग्रेटेड इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने कि लिए इस पहल को अक्टूबर 2021 में लॉन्च किया। इस तीन साल की यात्रा में यह पहल मील का पत्थर साबित हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम गतिशक्ति के तीन वर्ष पूर्ण होने पर 13 अक्टूबर को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम के अनुभूति केंद्र का दौरा किया। उन्होंने कहा कि पीएम गतिशक्ति ने भारत की अवसंरचना विकास यात्रा को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, "आज, जब गतिशक्ति ने तीन वर्ष पूरे कर लिए हैं तो मैं भारत मंडपम गया और अनुभूति केंद्र का दौरा किया, जहां मैंने इस पहल की परिवर्तनकारी शक्ति का अनुभव किया। पीएम गतिशक्ति ने भारत की बुनियादी ढांचे के विकास की यात्रा को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी का शानदार उपयोग किया जा रहा है कि परियोजनाएं समय पर पूरी हों और किसी भी संभावित चुनौती को कम किया जा सके।" इसमें कोई दोराय नहीं कि गति ही जीवन है। प्राचीन अवधारणा है-चरैवेतिङ्ग चरैवेति। ऐतरेय ब्राह्मण उपनिषद में इसका उल्लेख है। यह जीवन का मूलमंत्र है। उपनिषद में यह मूलमंत्र देवताओं के राजा इंद्र ने अपने बेटे रोहित को दिया है। प्रधानमंत्री मोदी का आध्यात्मिक पक्ष बेहद सुदृढ़ है। बहुत हद तक संभव है कि इसी महामंत्र के अनुष्ठान से पीएम गति शक्ति का विचार उनके मन में आया हो। बहरहाल चाहे जो भी, यह योजना बेमिसाल है। इसके छह स्तंभ हैं- व्यापकता, प्राथमिकता निर्धारण, अनुकूलन, तालमेल, विश्लेषण और गतिशीलता। इसमें केंद्रीकृत पोर्टल के साथ विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की सभी मौजूदा और नियोजित पहल शामिल होती हैं। इससे असरदार क्रियान्वयन में मदद मिलती है। यह महत्वपूर्ण है कि विकसित बुनियादी ढांचे के जरिये ही दुनिया के अधिकांश देशों ने तरक्की की है। वह चाहे अमेरिका हो, जापान हो या फिर दक्षिण कोरिया और चीन। सभी ने मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क की मदद से ही सिर्फ एक ही पीढ़ी के दौरान विकास की सर्वाधिक रफ्तार हासिल की। प्रधानमंत्री मोदी प्रणीत पीएम गति शक्ति योजना इनसे भी अधिक प्रभावशाली है। भारतीय रिजर्व बैंक और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी के अध्ययन के अनुसार, बुनियादी ढांचे के विकास के लिए खर्च किए गए हर एक रुपये से जीडीपी को ढाई से साढ़े तीन रुपये का फायदा पहुंचता है।

मंदी के वक्त में यह बढ़ोतरी और ज्यादा असरदार होती है। अगर राष्ट्र में सड़कों, रेल लाइनों, हवाई अड्डों, बंदरगाहों, जल मार्गों का जाल बिछेगा तो सभी तरह के माल की ढुलाई की गति में तेजी आएगी। इससे लागत में कमी आएगी और महंगाई पर नियंत्रण पाने में मदद मिलेगी। शहरी और औद्योगिक केंद्रों के विकास में मदद मिलेगी तो लोगों की कमाई बढ़ेगी। केंद्र और राज्य सरकारों की कमाई में भी इजाफा होगा। सरकारों की कमाई बढ़ेगी, तो वे विकास और खुशहाली बढ़ाने के लिए ज्यादा काम करेंगी।

शताब्दी वर्ष का सार्थक संदेश

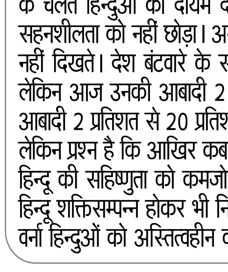

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

सौ वर्ष पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना सकारात्मक भाव भूमि पर हुई थी। इसमें नकारात्मक चिंतन के लिए कोई जगह नहीं है। हिन्दू समाज को संगठित करने का ध्येय था। संघ की संरचना में शाखाएं सर्वाधिक महत्वपूर्ण होती हैं। यहीं से सामाजिक संगठन और निःस्वार्थ सेवा का संस्कार मिलता है। इसमें मातृभूमि की प्रार्थना की जाती है-नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमि। यह भाव राष्ट्र को सर्वोच्च मानने की प्रेरणा देता है। समाज के प्रति सकारात्मक विचार जागृत होता है। स्वयंसेवकों के समाज सेवा कार्य इसी भावना से संचालित होते हैं।

पहले से संचालित सामाजिक समरसता अभियान को तेज किया जाएगा। समाज में छुआछूत और भेदभाव को दूर करने के लिए कार्यकर्ताओं को और सजग किया जाएगा। इसके साथ ही वह पारिवारिक मूल्यों के लिए और कुटुम्ब प्रबोधन के कार्यक्रमों को गति दी जाएगी। साथ ही साथ पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के लिए कार्य संचालित होगा। लोक जागरण को वरीयता दी जाएगी। सामाजिक जीवन मूल्यों के प्रति लोगों को जागृत किया जाएगा। संघ राजनीतिक क्षेत्र में काम नहीं करता है। संघ के साथ किसी की कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। शाखा के इतर संघ के सभी आयामों में महिलाओं की प्रमुख भूमिका रहती है। शाखा संघ का एक बड़ा आयाम है। इसमें स्वयंसेवक सुबह या शाम के समय संघ स्थान पर जाते हैं। बाकी संघ के सभी प्रकार के कार्यक्रमों जैसे प्रचार विभाग, कुटुम्ब प्रबोधन हो, सेवा हो या अन्य प्रकार के कार्यक्रमों के नीति निर्माताओं व नीति निर्धारण करने वालों में महिलाओं की प्रमुख भूमिका रहती है। जहां भी शाखाएं लगती हैं वहां तीन माह में एक बार पूरे परिवार के साथ सहभोज, सांस्कृतिक कार्यक्रम और चर्चा आदि आयोजित किए जाते हैं। इसमें परिवार के सभी सदस्य सम्मिलित होते हैं। ऐसा करके एक प्रकार से संघ ने पूरे परिवार को साथ में जोड़ने का एक और नया आयाम दिया है। संवाद के माध्यम से सभी को संघ एकजुट करना चाहता है। संघ के नेता मुस्लिम बुद्धिजीवियों और उनके आध्यात्मिक नेताओं से उनके आमंत्रण पर ही मिल रहे हैं। मुस्लिम, इसाई अथवा विदेश से आने वाले प्रतिनिधिमंडल यदि वे संघ को समझने और उससे संवाद कायम करना चाहते हैं तो ऐसे सभी लोगों का संघ स्वागत करेगा। लेकिन राष्ट्र विघातक शक्तियों के विरुद्ध समाज को सजग करना अपरिहार्य होता है। भाषा,जाति या अन्य प्रकार के भेदों को दूर करते हुए संघ के कार्यकर्ता समाज को एकजुट करने का काम करते हैं। कुछ राजनीतिक शक्तियां अपने स्वार्थ के लिए समय-समय पर भाषा-जाति व अन्य प्रकार का विघ्न पैदा करते हैं। लेकिन समाज बहुत जागृत है। ऐसे लोग कभी सफल नहीं होंगे। भारत और समाज को तोड़ने वाली शक्तियां परास्त होंगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसी लक्ष्य को लेकर समाज को एकजुट करने का कार्य करता रहेगा। विश्व कल्याण के उदात्त लक्ष्य को मूर्तरूप प्रदान करने हेतु भारत के 'स्व' की सुदीर्घ यात्रा हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रही है। विदेशी आक्रमणों तथा संघर्ष के काल में भारतीय जनजीवन अस्त-व्यस्त हुआ तथा सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक व धार्मिक व्यवस्थाओं को गहरी चोट पहुंची। इस कालखंड में पूज्य संतों व महापुरुषों के नेतृत्व में संपूर्ण समाज ने सतत संघर्षरत रहते हुए अपने 'स्व' को बचाए रखा। इस संग्राम की प्रेरणा स्वधर्म, स्वदेशी और स्वराज की 'स्व' त्रयी में निहित थी, जिसमें समस्त समाज की सहभागिता रही। स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के पावन अवसर पर सम्पूर्ण राष्ट्र ने इस संघर्ष में योगदान देने वाले जननायकों, स्वतंत्रता सेनानियों तथा मनीषियों का कृतज्ञतापूर्वक स्मरण किया है। स्वाधीनता प्राप्ति के उपरांत हमने अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की हैं। आज भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनकर उभर रही है। भारत के सनातन मूल्यों के आधार पर होने वाले नवोत्थान को विश्व स्वीकार कर रहा है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की अवधारणा के आधार पर विश्व शांति, विश्व बंधुत्व और मानव कल्याण के लिए भारत अपनी भूमिका निभाने के लिए अग्रसर है। सुसंगठित, विजयशाली व समृद्ध राष्ट्र बनाने की प्रक्रिया में समाज के सभी वर्गों के लिए मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति, सर्वांगीण विकास के अवसर, तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग एवं पर्यावरणपूरक विकास सहित आधुनिकीकरण की भारतीय संकल्पना के आधार पर नए प्रतिमान खड़े करने जैसी चुनौतियों से पार पाना होगा। राष्ट्र के नवोत्थान के लिए हमें परिवार संस्था का दृढ़ीकरण, बंधुता पर आधारित समरस समाज का निर्माण तथा स्वदेशी भाव के साथ उद्यमिता का विकास आदि उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए विशेष प्रयास करने होंगे। इस दृष्टि से समाज के सभी घटकों, विशेषकर युवा वर्ग को समन्वित प्रयास करने की आवश्यकता रहेगी।

संघर्षकाल में विदेशी शासन से मुक्ति हेतु जिस प्रकार त्याग और बलिदान की आवश्यकता थी, उसी प्रकार वर्तमान समय में उपर्युक्त लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए नागरिक कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्ध तथा औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त समाजजीवन भी खड़ा करना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री द्वारा स्वाधीनता दिवस पर दिये गए 'पंच-प्रण' का आ''ान भी महत्वपूर्ण है। जहां अनेक देश भारत की ओर सम्मान और सद्भाव रखते हैं, वहीं भारत के 'स्व' आधारित इस पुनरुत्थान को विश्व की कुछ शक्तियां स्वीकार नहीं कर पा रही हैं। हिंदुत्व के विचार का विरोध करने वाली देश के भीतर और बाहर की कई शक्तियां निहित स्वार्थों और भेदों को उभार कर समाज में परस्पर अविश्वास, तंत्र के प्रति अनास्था और अराजकता पैदा करने हेतु नए-नए षड्यंत्र रच रही हैं। हमें इन सबके प्रति जागरूक रहते हुए उनके मंतव्यों को भी विफल करना होगा।

यह अमृतकाल भारत को वैश्विक नेतृत्व प्राप्त कराने के लिए सामूहिक उद्यम करने का अवसर प्रदान कर रहा है। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा प्रबुद्ध वर्ग सहित सम्पूर्ण समाज का आ''ान करती है कि भारतीय चिंतन के प्रकाश में सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक, लोकतांत्रिक, न्यायिक संस्थाओं सहित समाजजीवन के सभी क्षेत्रों में कालसुसंगत रचनाएं विकसित करने के इस कार्य में संपूर्ण शक्ति से सहभागी बने, जिससे भारत विश्वमंच पर एक समर्थ, वैभवशाली और विश्वकल्याणकारी राष्ट्र के रूप में समुचित स्थान प्राप्त कर सके।

संक्षिप्त समाचार

सैपऊ से तसीमों की दीक्षा का एमबीबीएस में हुआ चयन

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। सैपऊ उपखण्ड के तसीमों नवासी दीक्षा कुमारी पुत्री अनिल कुमार मित्तल का एमबीबीएस में चयन हुआ है, दीक्षा को एम ई आर एस मेडिकल कॉलेज, पंचमहल गोधरा, गुजरात में एडमिशन मिला है।

दीक्षा ने नीट परीक्षा में 659 अंक प्राप्त किए थे। एमबीबीएस में चयन होने पर दीक्षा के परिजनों ने दीक्षा को माला पहनाकर स्वागत किया और खुशी जाहिर की। दीक्षा के माता पिता दोनों सरकारी अध्यापक है। वहीं दादाजी विनोद कुमार मित्तल सेवानिवृत्त अध्यापक है।एम बी बी एस में चयन होने पर तसीमों सरपंच प्रतिनिधि रामौतार फौजी एवं शहीद समिति तसीमों अध्यक्ष मांगीलाल मित्तल ने शुभकामनाएं दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रानी दुर्गावती और अहिल्या बाई होल्कर की स्मृति में विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति - दुर्गा वाहिनी द्वारा मान वंदना कार्यक्रम

चमकता राजस्थान/जयपुर। रानी दुर्गावती और अहिल्या बाई होल्कर की स्मृति में विश्व हिंदू परिषद, जयपुर महानगर मातृशक्ति - दुर्गा वाहिनी द्वारा मान वंदना कार्यक्रम रहा । कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य वक्ता विनायक राव देशपांडे (केंद्रीय सह संगठन मंत्री - विश्व हिंदू परिषद) ने कहा सबल महिला ही देश के उत्थान में सहयोगी है और संस्कार निर्माण करती है। उन्होंने दोनों रानियों के जीवन पर कई प्रसंग महिलाओं के समक्ष रखे। एवं साध्वी डॉक्टर योगश्री नाथ का आशीर्वाचन प्राप्त हुआ।

साथ ही कार्यक्रम में डॉ सुचि शर्मा (सेवानिवृत्त क्थ्अर), डॉ. रुचिका सोलंकी (टैगोर ग्रुप उएड) की उपस्थिति के साथ 500 महिलाएं रही। मान वंदना कार्यक्रम में विनायक राव देशपांडे ने रानी दुर्गावती एवं अहिल्याबाई होल्कर का जीवन परिचय उनकी वीरता, धैर्य, साहस को श्रोतागणों के समक्ष रखा।

कार्यक्रम में मातृशक्ति एवं दुर्गा वाहिनी का पथ संचलन लगभग 2 किलोमीटर का रहा, भारी संख्या में हिंदू समाज ने इनका स्वागत एवं पुष्प वर्षा की।

निवेश के लिहाज से राजस्थान देश का सबसे मुफीद प्रदेशः झाबर सिंह खर्रा

'राइजिंग राजस्थान' शहरी क्षेत्र प्री-समिट में 76 हजार 400 करोड़ रुपये के नए निवेश एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

चमकता राजस्थान

जयपुर। निवेश के लिहाज से राजस्थान देश का सबसे मुफीद और संभावनाओं से लबरेज राज्य है। यह कहना है नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह का।

राजस्थान ने आज जयपुर में 'राइजिंग राजस्थान' शहरी क्षेत्र प्री-समिट में 400 से अधिक निवेशकों के साथ 76 हजार 400 करोड़ रुपये से अधिक के नए निवेश एमओयू पर हस्ताक्षर किए। शहरी विकास एवं आवास मंत्री झाबर सिंह खर्रा और राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव सुधांश पंत की गरिमामयी उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

रियल एस्टेट, डेटा सेंटर और आईटी पार्क, टाउनशिप और शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण के क्षेत्रों में हस्ताक्षरित निवेश एमओयू राज्य में सतत शहरीकरण, किफायती और गुणवत्तापूर्ण जीवन के लक्ष्य को आगे बढ़ाएंगे। आज निवेश करारों पर हस्ताक्षर करने वाली प्रमुख कंपनियों में हीरानंदानी कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, के रहेजा कॉर्प, कस्तूरी ग्रुप और विराज ग्रुप शामिल हैं।

राइजिंग राजस्थान से पहले आयोजित प्री इन्वेस्टमेंट समिट को संबोधित करते हुए शहरी विकास एवं आवास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा, '' मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार अगले पांच वर्षों में राजस्थान की अर्थव्यवस्था के आकार को मौजूदा 180 बिलियन डॉलर से दोगुना करके 350 बिलियन डॉलर करने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान की लगभग 26% आबादी शहरी क्षेत्रों में रहती है और राजस्थान के सभी जिले महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र हैं जो राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने जा रहे हैं। इसलिए, शहरी

बुनियादी ढांचे का कायाकल्प और सुदृढ़ीकरण, बसों और मेट्रो जैसे सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना और किफायती आवास में परियोजनाओं को प्रोत्साहित करना सरकार की प्रमुख प्राथमिकताएँ हैं।''

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के महत्व के बारे में बात करते हुए राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत ने कहा, '' मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में राइजिंग राजस्थान सम्मेलन की मेजबानी करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राइजिंग राजस्थान के तहत हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों को अगले 2-3 वर्षों में जमीन पर उतारा जाए।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में ईज़ आफ़ डूइंग बिज़नेस को प्रोत्साहित करने, फाइल-प्रोसेसिंग समय को कम करने और उद्योगों के विस्तार और स्थापना के लिए विकेन्द्रीकृत-स्तर के निर्णय लेने को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है।''

प्री-समिट इवेंट में निवेशकों के सामने प्रेजेंटेशन देते हुए शहरी विकास और आवास विभाग के प्रमुख सचिव श्री वैभव गालरिया ने कहा, ''राजस्थान राज्य में देश में सबसे अधिक भूमि है, जो बढ़ते शहरीकरण को देखते हुए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना की घोषणा से राज्य की पानी की जरूरतों को भी कम किया जा रहा है। राज्य निवेशक-अनुकूल नीतियों जैसे कि किफायती आवास नीति और समान टाउनशिप नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के माध्यम से सतत शहरीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री खर्रा ने इस अवसर पर शहरी विकास और आवास विभाग के नए विकास प्रोत्साहन और नियंत्रण विनियमों का भी शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में 'भविष्य के लिए तैयार शहरों के लिए स्मार्ट बुनियादी ढांचे का निर्माण' पर एक पूर्ण सत्र भी आयोजित किया गया था, जिसमें आवास, स्मार्ट शहरों, शहरी नियोजन के लिए आईटी समाधान, सतत शहरों, शहरी गतिशीलता, सार्वजनिक परिवहन, औद्योगिक टाउनशिप जैसे क्षेत्रों पर समृद्ध चर्चा हुई।

यूडीएच विभाग के प्री-समिट से पहले, राजस्थान सरकार ने 08 अक्टूबर को मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व और उपमुख्यमंत्री सुश्री दीया कुमारी की गरिमामयी उपस्थिति में अपने पर्यटन विभाग का प्री-समिट आयोजित किया। निवेशकों तक व्यापक पहुंच के परिणामस्वरूप राजस्थान सरकार को 12.75 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव (एमओयू) प्राप्त हुए हैं (आज के प्री-समिट में हस्ताक्षरित एमओयू को छोड़कर), जो राज्य के प्रयासों में निवेशक और व्यापार समुदाय के दृढ़ विश्वास को दर्शाता है।

कार्यक्रम में उपस्थित अन्य अधिकारियों में राजेश यादव, प्रमुख सचिव, स्थानीय स्वशासन, राजस्थान सरकार, डीएलबी निदेशक कुमार पाल गौतम, श्रीमती आनंदी आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान सरकार, डॉ. रश्मि शर्मा, आयुक्त, आवास बोर्ड, राजस्थान सरकार और राजस्थान सरकार के अन्य अधिकारी शामिल थे।

- **'राइजिंग राजस्थान' वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन 2024 के बारे में-**

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार 9, 10 और 11 दिसंबर 2024 को राजधानी जयपुर में 'राइजिंग राजस्थान' वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन 2024 की मेजबानी करेगी। 3 दिवसीय मेगा शिखर सम्मेलन, जिसका उद्देश्य राज्य में वैश्विक निवेश, नवाचार और साझेदारी को आकर्षित करना और सुविधाजनक बनाना है, उद्योग और वाणिज्य विभाग, निवेश संवर्धन ब्यूरो (बीआईपी) और रीको के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें बीआईपी इस शिखर सम्मेलन के लिए नोडल विभाग के रूप में कार्य कर रहा है। शिखर सम्मेलन के दौरान, कृषि, नवीकरणीय, शिक्षा और कौशल, ऑटो और ईवी, बुनियादी ढांचा, रसायन और पेट्रो-रसायन, पर्यटन, स्टार्टअप, खनन और ईएसडीएम/आईटी और आईटीईएस और अन्य सहित विभिन्न फोकस क्षेत्रों पर विशेष पूर्ण सत्र आयोजित किए जाएंगे।

हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश 15 अक्टूबर, 2024 को खुलेगी

हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ('कंपनी') 10 के अंकित मूल्य वाले प्रति शेयर ('इक्विटी शेयर') के लिए 1,865 से 1,960 प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है

चमकता राजस्थान

जयपुर। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (कंपनी) ने मंगलवार, 15 अक्टूबर, 2024 को इक्विटी शेयरों की अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ - ऑफर) खोलने का प्रस्ताव किया है। कंपनी Hyundai Motor समूह की अंग है, जो क्रिसिल रिपोर्ट के अनुसार कैलेंडर वर्ष 2023 में यात्री वाहन बिक्री के आधार पर दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी ऑटो ओईएम थी। एंकर इन्वेस्टर बोली की तारीख बोली/ऑफर खुलने की तारीख से एक कार्य दिवस पहले है, जो सोमवार, 14 अक्टूबर, 2024 है। बोली/ऑफर बंद होने की तारीख गुरुवार, 17 अक्टूबर, 2024 है।

ऑफर का प्राइस बैंड 1,865 प्रति इक्विटी शेयर से 1,960 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 7 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 7 इक्विटी शेयरों के गुणकों के लिए बोली लगाई जा सकती हैं।

कंपनी के आईपीओ में हुंडई मोटर ('प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर') द्वारा 142,194,700 इक्वि टी शेयरों का ऑफर फॉर सेल शामिल है।

कंपनी को इस प्रस्ताव से कोई आय ('प्रस्ताव आय') प्राप्त नहीं होगी।

यह ऑफर प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) नियम, 1957 के विनियम 19(2)(बी) के अनुसार किया जा रहा है,

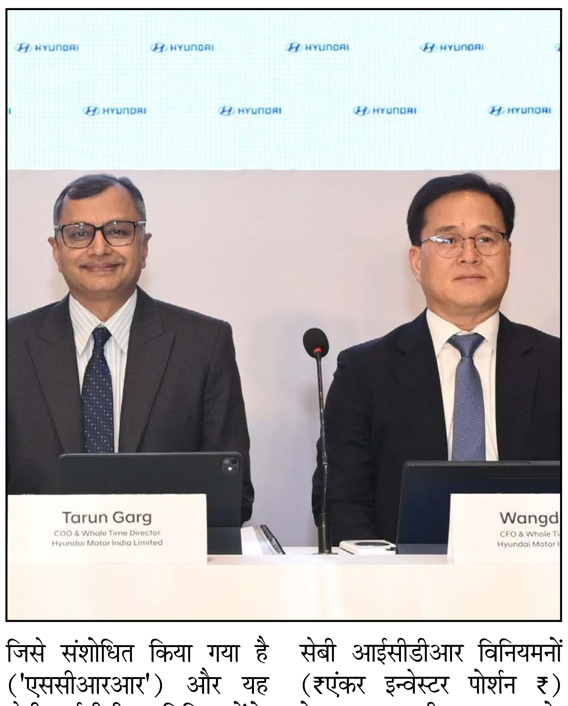

जिसे संशोधित किया गया है ('एससीआरआर') और यह सेबी आईसीडीआर विनियमनों के विनियमन 31 के साथ संलग्न है। यह ऑफर सेबी आईसीडीआर विनियमनों के विनियमन 6(1) के अनुसार बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के जरिए किया जा रहा है। इसमें नेट ऑफर का 50% तक (यह 50% से अधिक नहीं हो सकता) हिस्सा आनुपातिक आधार पर पात्र संस्थागत खरीदार (क्यूआईबी) (क्यूआईबी पोर्शन) को आवंटित करने के लिए उपलब्ध होगा, हालांकि हमारी कंपनी, बीआरएलएम के परामर्श से, एंकर इन्वेस्टर को क्यूआईबी हिस्से का 60% तक आवंटित कर सकती है और इस तरह के आवंटन का आधार सेबी आईसीडीआर विनियमनों (₹एंकर इन्वेस्टर पोर्शन ₹) के अनुसार, बीआरएलएम के परामर्श से हमारी कंपनी द्वारा विवेकाधीन आधार पर होगा, जिसमें से एक तिहाई घरेलू म्यूचुअल फंड के लिए आरक्षित होगा। यह घरेलू म्यूचुअल फंड से एंकर इन्वेस्टर को आवंटन किए गए मूल्य (एंकर इन्वेस्टर एलोकेशन प्राइस) पर या इससे अधिक पर वैध बोलियां प्राप्त होने पर निर्भर होगा।

इसके अलावा, नेट क्यूआईबी पोर्शन का 5% आनुपातिक आधार पर केवल म्यूचुअल फंड को आवंटित करने के लिए उपलब्ध होगा, बशर्ते ऑफर मूल्य पर या इससे ऊपर वैध बोलियां प्राप्त हों, और नेट क्यूआईबी

- एंकर इन्वेस्टर बोली तिथि – सोमवार, 14 अक्टूबर, 2024
- बोली/ऑफर आरंभ तिथि – मंगलवार, 15 अक्टूबर, 2024, और बोली/ऑफर समापन तिथि – गुरुवार, 17 अक्टूबर, 2024
- न्यूनतम 7 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 7 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियां लगाई जा सकती हैं
- आरएचपी लिंकः https://investmentbank.kotak.com/downloads/hyundai-motor-india-limited-RHP.pdf
- पूर्ण विवरण के लिए, कृपया अटैचमेंट के रूप में साझा किए गए प्राइस बैंड विज्ञापन को भी देखें या 09 अक्टूबर, 2024 को ''फाइनेंशियल एक्सप्रेस'' समाचार पत्र में पृष्ठ संख्या 10, 11,12 पर प्रकाशित प्राइस बैंड विज्ञापन देखें।

हिस्से का शेष हिस्सा आनुपातिक आधार पर सभी क्यूआईबी (एंकर निवेशकों के अलावा) को आवंटित करने के लिए उपलब्ध होगा, जिसमें म्यूचुअल फंड भी शामिल हैं, बशर्ते कि ऑफर मूल्य पर या इससे ऊपर वैध बोलियां प्राप्त हों। इसके अलावा, शुद्ध प्रस्ताव का कम से कम 15% गैर-संस्थागत निवेशकों (₹गैर-संस्थागत श्रेणी₹) को आवंटन के लिए उपलब्ध होगा। इसमें से गैर-संस्थागत श्रेणी का एक-तिहाई हिस्सा 200,000 से अधिक और 1,000,000 तक के आवेदन आकार वाले बोलीदाताओं को आवंटन के लिए उपलब्ध होगा और गैर-संस्थागत श्रेणी का दो-तिहाई हिस्सा 1,000,000 से अधिक के आवेदन आकार वाले बोलीदाताओं को आवंटन के लिए उपलब्ध होगा। साथ ही गैर-संस्थागत श्रेणी की इन दो उप-श्रेणियों में से किसी एक में कम-सब्सक्रिप्शन को सेबी आईसीडीआर विनियमों के अनुसार गैर-संस्थागत श्रेणी की अन्य उप-श्रेणी में बोलीदाताओं को आवंटित किया जा सकता है, बशर्ते कि प्रस्ताव मूल्य पर या इससे ऊपर वैध बोलियां प्राप्त हों। गौरतलब है कि सेबी आईसीडीआर विनियमों के अनुसार, शुद्ध प्रस्ताव का कम से कम 35% खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (खुदरा श्रेणी) को आवंटन के लिए उपलब्ध होगा, बशर्ते उनसे प्रस्ताव मूल्य पर या इससे अधिक पर वैध बोलियां प्राप्त हों। इसके अलावा, कर्मचारी आरक्षण हिस्से के तहत आवेदन करने वाले पात्र कर्मचारियों को आनुपातिक आधार पर इक्विटी शेयर आवंटित किए जाएंगे, बशर्ते कि उनसे प्रस्ताव मूल्य पर या इससे अधिक पर वैध बोलियां प्राप्त हों। सभी बोलीदाता (एंकर निवेशकों को छोड़कर) अनिवार्य रूप से केवल एप्लिकेशन सपोर्टेड बाय ब्लॉक्ड अमाउंट (₹एएसबीए₹) प्रक्रिया के माध्यम से इस ऑफर में भाग लेंगे और अपने संबंधित बैंक खाते का विवरण प्रदान करेंगे (यूपीआई बोलीदाताओं (इसके बाद परिभाषित) के मामले में यूपीआई आईडी (इसके बाद परिभाषित) सहित) जिसमें बोली राशि स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों (एससीएसबी) या प्रायोजक बैंकों द्वारा, जैसा भी मामला हो, ब्लॉक कर दी जाएगी। एंकर इन्वेस्टर एएसबीए प्रक्रिया के ज़रिये एंकर निवेशक हिस्से में भाग नहीं ले सकते।

हमारी कंपनी के इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (₹एनएसई₹, बीएसई के साथ, ₹स्टॉक एक्सचेंजेज़₹) पर सूचीबद्ध किया जाएगा।

इस ऑफर के बुक रनिंग लीड मैनेजर (बीआरएलएम) में कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एचएसबीसी सिक्योरिटीज एंड कैपिटल मार्केट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, जे.पी. मॉर्गन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और मॉर्गन स्टेनली इंडिया कंपनी प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।

अधिक जानकारी के लिए hyundai.co.in पर लॉग ऑन करें।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री गडकरी, रेल मंत्री वैष्णव और कानून मंत्री मेघवाल से मिलकर राजस्थान के विकास के मुद्दों पर की चर्चा

- **जयपुर से किशनगढ सिक्स लेन हाइवे पर बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए सड़क मंत्री गडकरी से सर्विस लेन शीघ्र पूरा करने का किया आग्रहः मदन राठौड़**

चमकता राजस्थान। जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने आज सोमवार को दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल से शिष्टाचार मुलाकात की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर राजस्थान के विकास के मुद्दों के साथ संगठन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात के दौरान राजस्थान में सड़क मार्ग को ओर बेहतर करने के साथ आमजन को जाम से निजात दिलाने के लिए वैकल्पिक मार्ग तैयार करने पर चर्चा की गई। इस दौरान जयपुर से किशनगढ सिक्स लेन हाइवे पर बढ़ते यातायात को देखते हुए सर्विस लेन शीघ्र पूरा करने का आग्रह किया। इसके साथ ही जयपुर से अजमेर तक जाम से मुक्ति के लिए फ्लाई ओवर के निर्माण कार्य को शीघ्र पुरा करने के साथ आवशयकता अनुसार नए फ्लाई ओवर बनाने पर भी चर्चा की गई।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर राजस्थान में रेलवे तंत्र को ओर अधिक मजबूत करने के साथ ही कुछ प्रमुख मार्गों पर नई रेल लाइन शुरू करने की मांग रखी गई। इसमें पाली वासियों के लिए दिल्ली तक सीधे नई रेल शुरू करने के साथ ही मारवाड़ जंक्शन होते हुए जयपुर की ओर जाने वाली ट्रेनों के लिए बाईपास और नया प्लेटफार्म बनाने की मांग रखी गई। पाली के जवाई बांध पर आरओबी का निर्माण , रेलवे अंडरपास में पानी की निकासी की समूचित व्यवस्था करने और प्रदेश में मानव रहित रेलवे फाटक पर अंडरपास बनाने की मांग भी रखी गई।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि केंद्र की मोदी सरकार के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार लगातार जनहितैषी कार्य कर रही है। केंद्र द्वारा जहां जोधपुर, उदयपुर, जयपुर को वंदे भारत ट्रेन की सौगात दी ,वहीं बेहतर नेशनल हाइवे बनाकर विकास की नई इबारत लिखी। ऐसे में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में सड़क तंत्र को मजबूत करने के लिए राजस्थान के 200 विधानसभा क्षेत्रों में 5-5 करोड़ रूपए से सड़क कार्य के साथ 1 हजार करोड़ रूपए की लागत से नॉन पेचेबल सड़कों का निर्माण करवाने के आदेश जारी किए। इतना ही नहीं, सड़कों और आरओबी के लिए केंद्र सरकार से सीआरआईएफ के तहत 972 करोड़ रूपए का अनुमोदन प्राप्त किया गया। वहीं 840 करोड़ से 8 राष्ट्रीय राज्यमार्गों पर सड़क निर्माण की स्वीकृति एवं निविदा तक जारी कर दी गई। भाजपा जो कहती है वो करती है।

संक्षिप्त खबरें

मोतिहारी में सीए की छात्रा का अपहरण

पूर्वी चंपारण। मोतिहारी जिले के छतौनी थाना क्षेत्र से सीए की छात्रा का अपहरण कर लिया गया। वह पूजा करने के लिए घर से निकली थी। इसी दौरान उसे अगवा कर लिया गया। अपहृत छात्रा के पिता ने छतौनी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने सोमवार को बताया कि छात्रा की सकुशल बरामदगी को लेकर एसआईटी का गठन किया गया है। टीम अपहरणकर्ताओ के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

घरेलू विवाद में 15 वर्षीय किशोर ने की आत्महत्या

भागलपुर । जिले के बरारी थाना क्षेत्र के खंजरपुर मोहल्ले में सोमवार को घरेलू विवाद को लेकर एक 15 वर्षीय से किशोर ने फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। मृतक रजौन थाना क्षेत्र के सांझा गांव का रहने वाला है और बरारी के खंजरपुर इलाके में अपने ननिहाल में रहकर पढ़ाई करता था। घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतक प्रिंस के परिजन भी मौके पर पहुंचे। उधर घटना जानकारी मिलते ही बरारी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के परिजन और स्थानीय लोगों से पूछताछ की। मृतक के परिजनों के बयान के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजन को सौंप दिया। घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजन का रो रोकर बुरा हाल है।

24 से 27 अक्टूबर तक कोका सीजन 2 कार्यक्रम का होगा आयोजन

किशनगंज। शहर में 24 से 27 अक्टूबर को किशनगंज कार्निवल यूथ फेस्टिवल सीजन 2 कार्यक्रम का आयोजन दिगम्बर जैन भवन में किया जाएगा। सोमवार को एक प्रेसवार्ता के दौरान कार्यक्रम के अध्यक्ष मो. इमरान आलम व सह संगठक सरफराज हुसैन ने बताया कि बच्चों की प्रतिभा निखारने का बेहतर मंच होगा उक्त कार्यक्रम। सचिव मो. इमरान व प्रबंध निर्देशक रफे निजाम ने बताया कि इसमें सिंगिंग, डांसिंग, क्विज, पेंटिंग, ई-स्पोर्ट्स, किड्स, फैशन शो आदि प्रतियोगिता आयोजित किया जाएगा। इस मंच से बच्चों की प्रतिभा और भी निखरेगी। बड़े महानगरों की तरह यहां के बच्चे भी कुछ अलग कर सकेंगे।

सिंगताम में 104 साल पुराना चाय बागान का बंगला जलकर राख

कोलकाता। आग लगने से रविवार रात सिंगताम चाय बागान प्रबंधक का बंगला जलकर राख हो गया। बंगला 104 साल पुराना था। सूत्रों के अनुसार, उक्त बंगले में आग लगने से पूरा इलाका काले धुएं से ढक गया। घटना की सूचना दमकल विभाग को दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची दमकल कर्मियों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग किस कारण लगी यह खबर लिखे जाने तक स्पष्ट नहीं हो सका है। हालांकि दमकल कर्मियों का प्राथमिक अनुमान है कि हादसा शॉर्ट सर्किट की वजह से हुआ है। दमकल विभाग आग लगने के कारण का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच कर रही है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले चाय बागान के असिस्टेंट मैनेजर के बंगले में भी आग लग गई थी। इसी साल जनवरी में दार्जिलिंग में 'नेशनल रिसर्च फॉर ऑर्किड' के बंगले में आग लग गई थी। जिससे बंगले को भारी क्षति पहुंची थी।

जलाशय से महिला का शव बरामद

कोलकाता। जिले के राजगंज ब्लॉक में सड़क किनारे जलाशय से महिला का शव बरामद होने से सनसनी फैल गई। मृत महिला का नाम कविता अग्रवाल बताया जा रहा है। वह राजगंज बाजार इलाके की रहने वाली थी। सूत्रों के अनुसार, सोमवार दोपहर ब्लॉक के स्टेट हाई-वे के मझियाली मोड़ इलाके में जलाशय से उक्त महिला का शव बरामद किया गया है। सूत्रों के अनुसार, स्थानीय निवासियों को सड़क से गुजरते समय जलाशय में एक महिला का शव देखा। जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर राजगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

आईपीएल की तर्ज पर पहली बार हुआ क्रिकेट खिलाड़ियों का ऑक्शन

सहरसा। शहर के स्थानीय गांधी पथ स्थित यूबीएन होटल परिसर में न्यू वॉरियर्स क्रिकेट एकेडमी के सौजन्य से खिलाड़ियों का डब्लूपीएल ऑक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम उप मेयर गुड्डू हयात ने संबोधित कर खिलाड़ियों का मनोबल बढाया।उन्होंने कहा कि कोशी क्षेत्र में आईपीएल की तर्ज पर नवोदित क्रिकेट खिलाड़ियों का चयन कर उंची बोली लगाई गई है।साथ ही पूरे बिहार के सभी जिलों से आये खिलाड़ी एवं आयोजक के प्रति आभार व्यक्त किया।इस कार्यक्रम में बिहार भर से खिलाड़ी इस ऑक्शन में भाग लिया वहीं बतौर फ्रेंचाइजी एसएफ पब्लिक स्कूल,स्टार ब्रिक्स, बिहार ऑप्टिकल्स, हॉलीवुड क्लॉथ एंड टेलर और एलिगेंट स्टील शामिल रहे।वही न्यू वॉरियर्स क्रिकेट एकेडमी के मोहम्मद आफताब ने बताया की पिछले कई वर्षों से बच्चों को क्रिकेट के क्षेत्र में प्रशिक्षण दे रहा हूं।

पूजा के दौरान जिले में नौ दुर्घटनाएं, पांच की मौत

एजेंसी

कोलकाता। कड़ी यातायात व्यवस्था के बावजूद पूजा के चार दिनों में जिले में नौ दुर्घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हो गए है। पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) कुतुबुद्दीन खान ने कहा कि पूजा 2023 के चार दिनों के दौरान जिले में 25 सड़क दुर्घटनाएं हुई थी। इनमें से 14 की जान चली गई थी। इस बार पूजा से काफी पहले ही ट्रैफिक नियंत्रण समेत सुरक्षा के मुद्दों पर जोर दिया गया था। इसलिए दुर्घटनाओं और मौतों की संख्या में कमी आई है। पुलिस

सूत्रों के अनुसार, पूजा के दिनों में कुचलीबाड़ी, मेखलीगंज, घोक्साडांगा, कोतवाली और पुंडीबारी थाना क्षेत्रों में आकस्मिक दुर्घटना में मौतें हुई हैं।

सड़क हादसे में तीन की मौत, तीन घायल

कोलकाता। दशमी की देर रात भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई है। जबकि तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए है। खबर लिखे जाने तक मृतकों का नाम पता नहीं चल पाया था।

बताया जा रहा है कि घटना रामगंज के सुचायानी इलाके में दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर से घटी है। घटना से पूरे इलाके में मातम छाया हुआ है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस्लामपुर थाना क्षेत्र के रामगंज निवासी छह युवक दो बाइक में पूजा देखने चोपड़ा गए थे। वहां से लौटते समय दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। घटना में दो छह युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को बरामद कर इस्लामपुर महकमा अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने तीन युवक को मृत घोषित कर दिया। बाकी तीन का फिलहाल नॉर्थ बंगाल मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। जहां उनकी हालत गंभीर है। इस्लामपुर थाने की पुलिस पूरी घटना की जांच में जुट गई है।

हिन्दू के मरने पर जुबान में लग जाता है ताला : हरिभूषण ठाकुर

एजेंसी

पटना। मुम्बई में एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री रहे बाबा सिद्दीकी की हत्या पर बिहार में राजनीति शुरू हो गयी है। बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लेनेवाले बिश्नोई गैंग पर सांसद पप्पू यादव के बयान के बाद आज भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर ने कहा कि मुस्लिम वोट बैंक के लिए इस तरह के बयान दिए जा रहे हैं। जब कोई हिंदू मरता है तो इन लोगों की जुबान में ताला लग जाता है। भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने कहा कि बाबा सिद्दीकी की जो हत्या हुई है, उस पर विपक्ष हाय-तौबा मचा रहा है। इससे पहले तो गुलशन कुमार की हत्या हुई थी। सुशांत सिंह राजपूत की हत्या हुई थी, उस पर ये लोग कुछ नहीं बोले। उन्होंने कहा कि बाबा सिद्दीकी की हत्या हुई है तो मुम्बई पुलिस उसके लिए सक्षम है और जल्द खुलासा कर देगी। भाजपा विधायक बचौल ने कहा कि महाराष्ट्र की एनडीए सरकार पर हमला करने से पहले विपक्ष को अपने बारे में सोचना चाहिए। भाजपा देश में जब से सत्ता में आई है तब से आतंकवादियों, उग्रवादियों पर नियंत्रण किया गया है। अपराधी अपराध करके बच नहीं पाएंगे लेकिन उन लोगों को अपने शासनकाल को भी याद करना चाहिए कि किस तरह उग्रवादी, आतंकवादी नंगा नाच करते थे।

शिक्षकों की स्थानांतरण नीति लाखों शिक्षकों एवं छात्रों के साथ एक धोखा : डॉ. नितेश

एजेंसी

भागलपुर। कोसी स्नातक विधान परिषद के पूर्व प्रत्याशी डॉक्टर नितेश यादव ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि एन. डी. ए. सरकार द्वारा शिक्षकों की स्थानांतरण नीति की घोषणा लाखों शिक्षकों एवं छात्रों के साथ एक धोखा है। यह स्थानांतरण नीति शिक्षकों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के लिए लाया गया है। वर्षों से शिक्षकों का स्थानांतरण उनके द्वारा किए गये आग्रह पर किया जाता था। अर्थात शिक्षकों का स्थानांतरण पूर्णरूपेण ऐच्छिक था।

शिक्षकों का कार्य अन्य कर्मचारियों से भिन्न है। शिक्षक रचनात्मक कार्य करने में लगे रहते हैं। छात्रों के भविष्य निर्माण का कार्य शिक्षकों के द्वारा ही किया जाता है। इसलिए उन्हें मानसिक रूप से शांति की नितांत आवश्यकता होती है। यदि शिक्षक मानसिक रूप से परेशान रहेंगे तो वे छात्रों को सही तरीके से शिक्षा नहीं दे पाएंगे। पहले सरकारी स्कूल में पढ़कर ही जिलाधिकारी, डाक्टर, इंनजिनियर जैसे शीर्षस्थ पद पर अपनी सेवा देते थे। बिहार की वर्तमान सरकार सरकारी विद्यालय को बर्बाद कर रहे हैं। हर पांच वर्ष पर स्थानांतरण करने से शिक्षा की गुणवत्ता में ह्रास होगा। जबतक शिक्षक समाज के स्थानीय माहौल के साथ सामंजस्य स्थापित करेंगे तबतक फिर उसे दूसरे जगह भेज दिया जाएगा। शिक्षा विभाग के अधिकारी माला माल होता रहेगा। इस प्रकार शिक्षकों के इस स्थानांतरण नीति से शिक्षा में गिरावट आएगी और सरकारी स्कूल बर्बाद हो जाएगा। वर्तमान सरकार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोची समझी नीति के तहत काम कर रही है। ताकि बच्चे अशिक्षित रहे। शिक्षा को महंगा किया जा रहा है ताकि अक्ल के बैलों को अंधविश्वास के हल से जोता जा सके।

दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराने पर महिला की हत्या का आरोप, पुलिसकर्मी गिरफ्तार

एजेंसी

कोलकाता । उत्तर 24 परगना में एक महिला की हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि महिला ने अपने साथ हुए दुष्कर्म की वारदात को लेकर स्थानीय पंचायत में समझौता करने के बजाय पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी, जिससे नाराज होकर ससुरालवालों और कोलकाता पुलिस के एक कर्मी ने मिलकर कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने इस मामले में पीड़िता के पति, आरोपित पुलिसकर्मी और उसकी पत्नी, जो तृणमूल कांग्रेस की पंचायत सदस्य हैं, को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, नौ सितंबर को पीड़िता ने कोलकाता पुलिस के एक चालक के खिलाफ बलात्कार की शिकायत दर्ज करवाई थी। पीड़िता ने बताया कि वह पिछले छह महीनों से आरोपित के घर में किराए पर रह रही थी और दोनों के बीच पारिवारिक संबंध भी थे। महिला का आरोप है कि पांच सितंबर की रात आरोपित पुलिसकर्मी ने उसके कमरे में घुसकर उसके साथ बलात्कार किया। उस समय वह अपनी बेटी के साथ सो रही थी। आरोपित ने महिला का मुंह दबाकर उसे दूसरे कमरे में ले जाकर बलात्कार किया और बाद में उसे जान से मारने की धमकी भी दी। महिला पर पंचायत में समझौता करने का दबाव बनाया गया था, लेकिन उसने समझौता करने के बजाय पुलिस के पास शिकायत की। इसके बाद आरोपित पुलिसकर्मी फरार हो गया था। कुछ समय बाद महिला अपने ससुराल वापस लौट गई थी, लेकिन रविवार ी रात वह ससुराल के दूसरे माले पर फांसी के फंदे से लटकी पाई गई।

पुलिस जब वह घटनास्थल पर पहुंची तो ससुरालवाले महिला का शव उतार चुके थे। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए बारासात मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

मृतका के भाई ने थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि उसकी बहन की हत्या कर उसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई। भाई का कहना है कि शादी के बाद से ही उसकी बहन को ससुराल में शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा, जिससे तंग आकर वह किराए के घर में रहने लगी थी। भाई ने आरोप लगाया कि बलात्कार की घटना को दबाने के लिए आरोपित पुलिसकर्मी, उसकी पंचायत सदस्य पत्नी और ससुरालवालों ने मिलकर हत्या की साजिश रची। पुलिस की गिरफ्त में आई पंचायत सदस्य ने दावा किया कि उसका पति इस मामले में दोषी नहीं है। उसका कहना है कि महिला के साथ किसी और युवक ने बलात्कार किया था और हत्या के आरोप भी बेबुनियाद हैं। तृणमूल नेता बापी मजूमदार ने इस मामले पर सोमवार को कहा, पार्टी किसी भी अवैध गतिविधि का समर्थन नहीं करती है। यदि पंचायत सदस्य दोषी पाई जाती हैं, तो पुलिस कानून के अनुसार कार्रवाई करे। पार्टी इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं करेगी। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद महिला की मौत के असली कारणों का पता चलेगा।

कोलकाता मेट्रो में फिर आत्महत्या की कोशिश, सेवाएं बाधित

कोलकाता। कोलकाता मेट्रो में सोमवार सुबह एक व्यक्ति ने आत्महत्या करने की कोशिश की है। घटना शोभाबाजार-सूतानुटी मेट्रो स्टेशन की है। इस घटना के कारण मेट्रो सेवाएं लगभग 33 मिनट तक आंशिक रूप से बाधित रहीं। कोलकाता मेट्रो सूत्रों के मुताबिक, सोमवार सुबह करीब 11:45 बजे एक व्यक्ति शोभाबाजार-सूतानुटी मेट्रो स्टेशन पर खड़ा था। जैसे ही ट्रेन आई, वह उसके सामने कूद गया। घटना को भांपते हुए ड्राइवर ने ब्रेक लगा दिया। सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंच गया। युद्धकालीन प्रयास से व्यक्ति को बचा लिया गया। खबर लिखे जाने तक व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई थी। यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उक्त व्यक्ति ने किस वजह से आत्महत्या की कोशिश की। घटना की वजह से मेट्रो यातायात कुछ देर के लिए बाधित हुआ।

जमुई में नागी डैम में मिले युवती और मासूम के शव

एजेंसी

पटना। बिहार में जमुई जिले के झाझा स्थित नागी डैम में संदिग्ध हालात में एक युवती और मासूम के शव मिले। भनक लगते ही लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शवों को जब्त कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। शव की पहचान कर्मा निवासी पप्पू यादव की पत्नी रिंकू देवी व उसके बेटे प्रियांश कुमार (करीब 1.5 वर्ष) के रूप में की गयी। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पारिवारिक विवाद से जुड़ा मामला दिख रहा है। पुलिस ने मृतका के पति को हिरासत में लिया है। युवती के मायके वालों ने अपनी बेटी के ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मौके पर पहुंचे पुलिस पदाधिकारी के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है लेकिन पुलिस तमाम बिंदुओं पर जांच करेगी। पारिवारिक विवाद के कारण ही मौत का मामला लग रहा है। पुलिस के अनुसार, लोगों ने एक मासूम के शव की जानकारी पुलिस को दी लेकिन मौके पर पहुंचने पर युवती का भी शव पाया गया। मृतका के पति पप्पू यादव ने कहा कि उसकी पत्नी और बच्चा रविवार दिन में एक बजे के बाद से ही लापता थे। उसकी तलाश में वो लगे थे। अपने साला के साथ मिलकर वो पत्नी और बच्चे को खोज रहे थे लेकिन दोनों का कहीं अता-पता नहीं चला। अचानक रिश्तेदार से पता चला कि दोनों का शव मिला है। मृतका के पति का दावा है कि उसका अपनी पत्नी से कोई विवाद नहीं था। घटना को लेकर वो कुछ नहीं बता सकते। दूसरी ओर, मृतका के पिता ने अपने दामाद पप्पू यादव पर गंभीर आरोप लगाए। बताया कि उनकी बेटी बीड़ी बनाती थी।

आरजी कर वित्तीय घोटाला , संदीप घोष और उनके करीबी निशाने पर

एजेंसी

कोलकाता । आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में वित्तीय घोटाले के आरोपों में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और उनके रिश्तेदारों की संपत्तियों की जांच तेज कर दी है। सूत्रों के अनुसार, ईडी को संदेह है कि संदीप और उनके करीबी व्यापारियों के बैंक खातों में अवैध लेन-देन हुए हैं, और आवश्यक होने पर उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जा सकती है। ईडी ने पहले ही संदीप के दो करीबी व्यापारियों, विक्रम सिंह और सुमन हाजरा, तथा उनके सुरक्षा गार्ड अशरफ अली खान से पूछताछ की है। इन चारों के आवासों पर भी छापेमारी की गई। जांच के दौरान कई संपत्तियों के दस्तावेज बरामद हुए हैं, जिनमें संदीप के रिश्तेदारों और ससुराल पक्ष के नाम से कई संपत्तियां शामिल हैं।

ईडी अधिकारियों ने बताया कि पूछताछ के दौरान संदीप के करीबियों ने संपत्तियों के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं दी। जांच एजेंसी को शक है कि संदीप ने अपने रिश्तेदारों के नाम पर अवैध धन जमा किया है। इसके स्रोत का पता लगाने के लिए संदीप के करीबी रिश्तेदारों के लिखित बयान दर्ज किए गए हैं। जांच में पता चला है कि 2021 से 2024 तक आरजी कर अस्पताल में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुईं। ईडी का आरोप है कि संदीप ने अपने करीबी व्यापारियों के माध्यम से फर्जी कंपनियों का उपयोग कर यह घोटाला किया। इन कंपनियों के जरिए अस्पताल में दवाओं और उपकरणों के अनुबंध हासिल किए गए, और इसी दौरान करोड़ों रुपये के काले धन को सफेद किया गया। ईडी सूत्रों के अनुसार, सभी आरोपितों से पूछताछ के दौरान वे स्पष्ट जवाब देने से बचते रहे। अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़े सभी सबूत जल्द ही विशेष अदालत में पेश किए जाएंगे। आवश्यकता पड़ने पर संदीप और अन्य आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ की अनुमति मांगी जा सकती है।

आंदोलनकारी चिकित्सकों ने मुख्यमंत्री की चुप्पी पर उठाए सवाल

एजेंसी

कोलकाता । धर्मतला में जूनियर डॉक्टरों का अनशन 10वें दिन में प्रवेश कर चुका है। इस दौरान आंदोलनकारियों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए उनकी प्रतिक्रिया की मांग की है। आंदोलनकारियों ने घोषणा की है कि वे सोमवार को राजभवन का घेराव करेंगे और मंगलवार को राज्यभर में मानव श्रृंखला बनाएंगे। शनिवार से अनशन पर बैठे पुलस्त्य आचार्य की तबीयत रविवार रात बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें एनआरएस मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। पुलस्त्य को पेट में तेज दर्द की शिकायत के बाद द्यवेस्ट बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंटह्न के डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। हालत बिगड़ने पर उन्हें एंबुलेंस से ग्रीन कॉरिडोर बनाकर अस्पताल पहुंचाया गया। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे जूनियर डॉक्टर देबाशीष हालदार ने साफ किया कि वे किसी राजनीतिक दल या मध्यस्थता के जरिए अनशन खत्म नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, ₹यह नागरिकों का आंदोलन है, और इसमें राजनीतिक दलों का स्वागत नहीं है। हमारा संघर्ष तभी समाप्त होगा, जब सरकार हमारी 10 मांगों पर सकारात्मक कदम उठाएगी। देबाशीष ने सीबीआई की चार्जशीट को कमजोर बताते हुए कहा कि इसमें जिन दो लोगों को सबूत नष्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, उनके नाम शामिल नहीं हैं। उन्होंने राजभवन का घेराव करने की घोषणा की, ताकि राज्यपाल से सीबीआई जांच पर अविश्वास जताया जा सके।

मंगलवार को मानव श्रृंखला बनाने की योजना

मंगलवार को कोलकाता के रेड रोड पर दुर्गा पूजा विसर्जन का कार्निवल आयोजित होगा। हाई कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए आंदोलनकारी कार्निवल में कोई व्यवधान नहीं डालेंगे, लेकिन शहर और जिलों में सड़कों पर शांतिपूर्ण मानव श्रृंखला बनाएंगे। देबाशीष ने कहा, हम न्याय के लिए लड़ रहे हैं और प्रोत्साहन के लिए किसी तरह की अराजकता पैदा नहीं करेंगे।

आंदोलन को मजबूत करने के लिए कई वरिष्ठ डॉक्टर भी समर्थन में सामने आए हैं। वे सुबह से लेकर रात तक 12 घंटे का प्रतीकात्मक अनशन कर रहे हैं। सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों ने भी पेन-डाउन हड़ताल करने का निर्णय लिया है, जिसके चलते स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं।

मुख्यमंत्री की चुप्पी पर नाराजगी

आंदोलनकारी मुख्यमंत्री की चुप्पी से निराश हैं। देबाशीष ने कहा, ₹सरकार की इतनी बेरुखी है कि इतने दिन गुजरने के बाद भी मुख्यमंत्री ने एक शब्द नहीं कहा। हमें सिर्फ मुख्य सचिव के मेल और कुछ नेताओं की प्रतिक्रिया सुनने को मिल रही है। हम मुख्यमंत्री की सीधी प्रतिक्रिया चाहते हैं। जूनियर डॉक्टरों ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होतीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

राजनीति के क्रांतिकारी परिवर्तन का नाम है डॉ. लोहिया : पप्पू

निशिकांत राय

मुंगेर। महान समाजवादी चिंतक, विचारक, युगद्रष्टा व समाजवादियों के प्रणेता डॉ० राम मनोहर लोहिया की 57 वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को समाजवादी पार्टी के जिला मुख्यालय स्थित पार्टी के अस्थाई कार्यालय बेलन बाजार में सपा जिला अध्यक्ष पप्पू यादव के नेतृत्व में सपा के वरिष्ठ नेताओं ने उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें भारतीय राजनीति के क्रांतिकारी परिवर्तन का फिजा बताते हुए उनके पद सिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। मौके पर सपा अध्यक्ष पप्पू यादव ने कहा कि भारतीय राजनीति के चौथे, पांचवें एवं छठे दशक के जबरदस्त तूफानी फिजा का नाम है डॉ० लोहिया, जो भारतीय राजनीति में क्रांतिकारी परिवर्तन की नई बयान चलाई और सड़क से लेकर संसद तक उसकी गूंज पैदा की। जिसकी धमक आज तक सुनाई पड़ती है। वहीं पार्टी के प्रधान महासचिव मनोज कुमार मधुकर एवं लोहिया वाहिनी के प्रदेश महासचिव रविकांत झा ने कहा कि प्रखर विचारक, चिंतक व समाजवादी आंदोलन के प्रणेता डॉ० लोहिया भारतीय राजनीति के अजेय योद्धा थे। मौके पर पार्टी के जिला महासचिव मिथिलेश यादव, मुंगेर प्रभारी मनोज क्रांति, मनीष यादव, मथुरी यादव, सत्यजीत पासवान, अशोक शर्मा, कुणाल रंजन आदि मौजूद थे।

गुस्सा झट से हो जाएगा गायब,बस अपनाएं ये टिप्स

कहते हैं गुस्सा व्यक्ति को चंड़ाल बना देता है। बात-बात पर गुस्सा करने वाले इंसान से परिवार वाले और उसके आस-पास के लोग परेशान हो जाते हैं। कई बार तो इस तरह के व्यक्ति से लोग बात करने से भी कतराते हैं। किसी परेशानी,तनाव,बिजनेस या नौकरी का परेशानी और रिश्तों में बढ रही दूरियां को कारण भी गुस्सा आने लगता है। कई बात तो इससे कुछ लोग खुद भी परेशान हो जाते हैं। इसके लिए आप कुछ उपाय अपना कर इससे समस्या से राहत पा सकते हैं।

1. गुस्सा आने पर किसी से बात करने की बजाए कुछ देर के लिए अकेले बैठ जाएं। मांसपेशियों को रिलैक्स करें। इससे गुस्सा शांत हो जाएगा।

2. किसी बात से परेशान हैं तो गुस्सा होने की बजाए गहरी सांस भरे और आंखे बंद करके खुद को शांत करने की कोशिश करें।

3. गुस्से को दूर करने के लिए सबसे बेहतर तरीका है कि माहौल को खुशनुमा बनाएं। बढ़िया से परफ्यूम की महक लें। आप हैरान जाएंगे कि इससे गुस्सा खुशी में बदल जाएगा।

4. ठंड़ा पानी पीने से भी गुस्सा शांत हो जाता है। परेशानी को दूर करने के लिए उल्टी गिनती गिनना शुरू करें।

कैंसर का इलाज करें खीरा, और भी कई बीमारियां में फायदेमंद

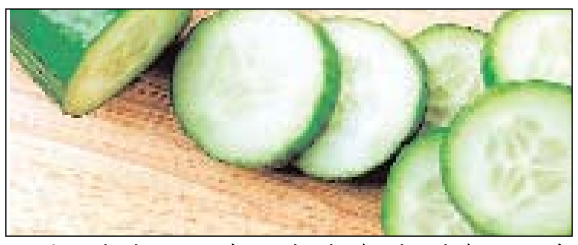

खीरा, इसे लोग सालाद के रूप में बड़े शौक से खाते हैं। सालाद के अलावा भी इसे सैंडविच या फास्ट में भी बहुत इस्तेमाल किया जाता है। खीरा खाना सेहत के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है। इससे शरीर में हमेशा ताजगी बनी रहती है। आइए जानते हैं इसके सेहत संबंधी फायदों के बारे में...

कब्ज : कब्ज होने पर खीरा खाने से पेट की परेशानी दूर होती है। इसे अपने खाने में जरूर शामिल करना चाहिए। रोजाना इसके सेवन से कब्ज से राहत पाई जा सकती है।

ब्लड प्रैशर : हाई ब्लडप्रैशर से राहत पाने के लिए खीरे का सेवन बहुत अच्छा होता है। इसमें पानी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है और यह शरीर को ठंड़ा रखता है।

कैंसर : इसमें बहुत से ऐसे तत्व होते हैं जो कैंसर से रोकथाम करने में मददगार हैं और यह बहुत अच्छा एन्टीऑक्सिडेंट भी है। जिससे प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है।

वजन घटाएं : खीरे में कैलोरी बहुत कम और फाइबर ज्यादा होता है। मीड डे की भूख को शांत करने के लिए खीरा खाएं। जिससे पेट देर तक भरा रहता है और वजन कम हो जाता है।

किडनी : खाने में हर रोज इसका इस्तेमाल करने से पथरी की परेशानी से बचा जा सकता है। यह पित्ते और कीडनी की पथरी से बचाए रखती है। खीरे के रस को दिन में 2-3 बार पीना लाभकारी होता है।

कोलेस्ट्रोल : खीरे में कोलेस्ट्रोल बिल्कुल नही होता। दिल के मरीजों के लिए खीरा खाना बहुत अच्छा होता है। इसमें पाया जाने वाला स्ट्रेरोल तत्व कोलेस्ट्रोल को कम करने में मदद करता है।

पीरियड़ का दर्द दूर : जिन लड़कियों को मासिक धर्म के दौरान काफी परेशानी होती है वो दही में खीरे को कद्दूकस करके उसमें पुदीना,काला नमक, काली मिर्च, जीरा और हींग डालकर खाएं। इससे काफी आराम मिलेगा।

साइकिल चलाने के ये फायदे

क्या कभी किसी ने बताए हैं आपको...

अगर आप वजन घटाने की सारी कोशिशें करके हार चुके हैं तो कुछ दिन साइकिल चलाकर देखें. अगर आपको फिट बॉडी की ख्वाहिश है तो साइकिल चलाना शुरू करें. साइकिलिंग से बेहतर शायद ही कोई दूसरी एक्सरसाइज हो. अगर आपको फिट और एक्टिव बॉडी चाहिए तो आज से ही साइकिल चलाना शुरू कर दें.

जरूरी नहीं है कि आप साइकिल चलाने के लिए अलग से समय निकालें. आप चाहें तो अपने रोजाना के कामों को पूरा करने के लिए ही साइकिल चला सकते हैं. ये छोटी सी कोशिश आपको व्यायाम जितना फायदा पहुंचाएगी. आप चाहें तो सुबह दूध लाने के लिए साइकिल चलाकर दुकान तक जा सकते हैं. हर रोज कुछ मिनट साइकिल चलाकर ही आप फिट और आकर्षक बॉडी पा सकते हैं. इसके अलावा भी साइकिल चलाने के कई फायदे हैं।

1. सुरक्षित रखने में मददगार

अगर आप हर रोज कुछ देर के लिए भी साइकिल चला रहे हैं तो आप में दिल से जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा कम हो जाता है. इससे धड़कन तेज होती है और ब्लड सर्कुलेशन ठीक होता है.

2. मांसपेशियों की मजबूती के लिए

साइकिल चलाने से पैरों की अच्छी एक्सरसाइज हो जाती है और इससे पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं.

3. वजन घटाने का बेहतरीन उपाय

नियमित रूप से साइकिल चलाकर आप कुछ ही दिनों में वजन कम कर सकते हैं.

ये शरीर में मौजूद अतिरिक्त चर्बी को घटाने में मददगार है. रोजाना साइकिल चलाकर आप फिट और एक्टिव बॉडी पा सकते हैं.

4. इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने में मददगार

रोजाना साइकिल चलाने से इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है. जिससे रोगों से लड़ने की क्षमता भी बढ़ती है.

5. तनाव से राहत दिलाने में मददगार

नियमित रूप से साइकिल चलाने वालों को अवसाद की शिकायत होने की आशंका बहुत कम होती है.

इन चीजों से करेंगे साफ तो चमक जाएंगे सफेद जूते

सफेद जूते पर्सनेलिटी को भी चार चांद लगा देते हैं। आजकल वैसे भी इस रंग के जूतों का काफी ट्रैंड है लेकिन कुछ लोग सिर्फ इस वजह से सफेद जूते पहनना पसंद नहीं करते क्योंकि ये बहुत जल्दी गंदे हो जाते हैं। ज्यादातर स्कूल के बच्चे और एक्सरसाइज करते समय लोग सफेद स्पोर्ट शूज पहनते हैं लेकिन बारिश के दिनों में कीचड़ और मिट्टी की वजह से ये गंदे हो जाते हैं। इन्हें साफ करने के लिए कई लोग जूतों को वॉशिंग मशीन में डाल देते हैं लेकिन इससे जूते खराब हो जाते हैं और अच्छे से साफ भी नहीं होते। ऐसे में कुछ आसान तरीके अपनाकर इन्हें मिनटों में साफ किया जा सकता है।

1. एक चम्मच बाइकार्बोनेट सोडा, आधा चम्मच पानी और आधा चम्मच हाईड्रोजन पेरोक्साइड को एक बाउल में डालकर पेस्ट बना लें।

2. अब जूतों के तस्मों को निकाल लें और टूथब्रश की मदद से इस पेस्ट को जूतों पर लगाएं। अब इन तस्मों को बाउल में डाल दें ताकि बचा हुआ पेस्ट उन पर लग जाए।

3. पेस्ट लगे जूतों और तस्मों को 4-5 घंटों के लिए धूप में सूखने के लिए रख दें।

4. जब जूतों का पेस्ट सूख जाए तो इन्हें डिट्रजैंट से धोएं और धूप में सूखने के लिए रख दें। इससे जूते एक दम चमक उठेंगे।

मानसून में करें इन साबुनों का इस्तेमाल, त्वचा में आएगा निखार

बारिश के मौसम में वातावरण में मौजूद नमी आपकी त्वचा को प्रभावित कर सकती है, ऐसे में कुछ मामूली बदलाव और आयुर्वेदिक साबुन के इस्तेमाल से त्वचा की चमक व ताजगी बरकरार रखी जा सकती है. बायोटिक के सौंदर्य विशेषज्ञों और सोल फ्लॉवर के प्रबंध निदेशक शारदा ने मानसून के दौरान त्वचा की देखभाल से संबंधित कुछ सुझाव दिए हैं.

1. आयुर्वेदिक और हर्बल साबुन त्वचा के पीएच बैलेंस को प्रभावित किए बिना सौम्यता से शरीर की अशुद्धियों को दूर करते हैं. इस मौसम में बैक्टीरिया और गंदगी से त्वचा को बचाना जरूरी है. ये साबुन त्वचा में नमी बरकरार रखते हैं और इसे रिजूविनेट करते हैं.

2. आयुर्वेदिक साबुन जैसे बायो ऑलमंड ऑयल शरीर को पोषित करते हैं, जो प्राकृतिक पोषक तत्वों से समृद्ध होते हैं. वे बादाम, मारगोसा, नारियल तेल, हल्दी आदि से युक्त होते हैं, जो त्वचा को मुलायम बनाते हैं.

3. गुलाब के सत्वों से बना साबुन त्वचा में प्राकृतिक नमी बरकरार रखते हुए चमक और निखार लाता है. गुलाब का तेल और पंखुड़ियां त्वचा के दाग-धब्बों को दूर करते हैं.

4. मानसून में लैवेंडर साबुन का इस्तेमाल भी किया जा सकता है. इसके जीवाणुरोधी गुण त्वचा में हो रही जलन और खुजली को दूर करते हैं, इसकी खुशबू ताजगी और सुकून का अहसास कराती है.

5. चारकोल साबुन तैलीय और मिश्रित त्वचा के लिए मानसून में अच्छा विकल्प है. साबुन में मौजूद एक्टिवेटेड बैंबू चारकोल गंदगी, टॉक्सिन और अशुद्धियों को दूर कर त्वचा के रोम छिद्रों को खोल देते हैं. ये मुंहासे, दाग-धब्बे भी दूर करते हैं.

6. पपीता और खीरा युक्त साबुन सभी प्रकार की त्वचा के लिए उपयुक्त होते हैं. यह त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटा कर रोम छिद्र खोल देता है और मुंहासों को नियंत्रित कर दाग-धब्बे कम करता है. इसके इस्तेमाल से त्वचा कोमल हो जाती है. यह त्वचा में नमी बरकरार रखता है.

मानसून में ऐसे रखेंगे फर्नीचर का ध्यान तो नहीं होगा खराब

तेज तपती गर्मी के बाद मानसून का इंतजार तो हर किसी को बेसब्री से लगा रहता है। लेकिन जहां यह मौसम चेहरे पर मुस्कान लाता है, वहीं अपने साथ कई तरह की प्रॉबल्म भी लेकर आता है जैसे दीवारों की सीलन, कपड़ों में बदबू। इसके अलावा एक और चिंता है जो हर किसी को सताती है वो लकड़ी के फर्नीचर की क्योंकि इस मौसम में लकड़ी के फर्नीचर में सीलन और उसमें कीड़े लगने शुरू हो जाते है। इतना ही नहीं लकड़ी फूलने लगती है ऐसे में घर का फर्नीचर खराब हो जाता है। फर्नीचर को बचाने के लिए लोगों को समझ नहीं आता कि क्या किया जाए। अगर आपको भी अपने फर्नीचर की चिंता सता रही है तो घबराए नहीं। हम आपको कुछ टिप्स बताएंगे, जिससे आप लकड़ी के फर्नीचर को बचाएं रख सकती है।

1. फर्नीचर को सेफ जगह पर रखें : अपने घर में पड़े लकड़ी के फर्नीचर को किसी ऐसी जगह पर रखें जगां, बारिश की बूंदे उनक तक न पहुंच पाएं। इससे वह गीले होने से बचे रहेंगे।

2. समय-समय पर ऑयलिंग दें : अगर आपके घर के खिड़की दरवाजे भी लकड़ी के है तो उन्हें समय-समय पर ऑयलिंग करें। ऐसा करने से उमें कोई कीड़ा नहीं लगने पाएं।

3. नीम के पत्तों का इस्तेमाल करें : घर में नमी को कंट्रोल करने के लिए सूखे नीम के पत्तों का इस्तेमाल करें। इसके अलावा आप ह्यूमीडिफायर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

4. फर्नीचर को दीवारों से दूर रखें : अधिकतर देखने को मिलता है कि लोग अपने फर्नीचर को दीवारों से जोड़कर रखते है लेकिन बारिस के मौसम में इनकी खास केयर करनी पड़ती है। इसलिए बेहतर होगा की मानसून में लकड़ी को फर्नीचर को दीवारों से दूर लगाकर रखें। इससे वह डैम लगने से बचे रहेगे।

5. पॉलिश या पेंट करवाएं : बारसात के दिनों में अपने फर्नीचर को पॉलिश या पेंट करवाएं। इससे वह नमी से बचे रहें और खराब भी नहीं होंगे।

कुछ इस तरह बनाएं अपनी सुबह खिली-खिली...

दी ब्वाडी क्लाक गाइड टू बेटर हेल्थ के मुताबिक 10 में से महज 1 ही व्यक्ति सही मायनों में मायनो में मार्निंग पर्सन कहलाता है। लेकिन अच्छी बात यह है कि 10 में महज दो ही लोगों की स्थिति सुबह उठते हुए गंभीर होती है बाकी सब सामान्य रहते हैं। लेकिन अगर आप चाहती हैं कि आपकी सुबह खिली-खिली हो, आप मार्निंग पर्सन कहलाएं तो इसके लिए आपको कुछ नियमों का पालन करना पड़ेगा। अपना ध्यान देना होगा और सोने के घंटों में इजाफा कना होगा।

अच्छी नींद लें

डेलीबर्नडाटकाम वेबसाइट के मुताबिक आपको चाहिए कि नियमित अच्छी नींद लें। अगर इसके लिए आपको अपने शिड्यूल में कुछ बदलाव करने होंगे तो उससे भी परहेज न करें। आप चाहें तो अपने काम को देर रात तक करने की बजाय देर शाम तक ही खत्म कर लें। अगर तब भी काम अधूरा रह जाए तो काम को वहीं अधूरा छोड़ सो जाएं और सुबह जल्दी उठने का नियम बनाएं। रात को ली गई नींद आपके स्वास्थ्य के लिए ज्यादा जरूरी है। जब नींद पूरी होती है तो सुबह त ?के उठने से आपको परहेज भी नहीं होगा।

पर्याप्त समय लें

आप एक रात में किला फतह नहीं कर सकते। इसलिए यह न सोचें कि आप अपने शिड्यूल को बैलेंस नहीं कर पा रही हैं। इसके लिए बेहतर है कि आप पर्याप्त समय लें। धीरे-धीरे कर अपनी जीवनशैली में बदलाव करें। इतना ही नहीं संभव हो तो किसी विशेषज्ञ की राय भी ले सकती हैं। एक बात और ध्यान में रखें कि खुद को काम के बोझ के तले ने दबाए रखें।

रूटीन बनाएं और फालो करें

अकसर देखने में आता है कि लोग रूटीन तो बना लेते हैं लेकिन उसे फालो नहीं करते। आपको बता दें कि यह तो ढाक के तीन पात वाली बात हो गई। बेहतरी यही है कि रूटीन बनाएं, इसके लिए आप किसी की मदद भी ले सकती हैं। साथ ही उसे फालो भी करें। आपको बता दें कि रूटीन बनाने के लिए मदद ली जा सकती है। लेकिन रूटीन फालो आपको खुद को ही करना होगा।

दिन में लें छोटी से झपकी

अगर आप देर रात तक पर्याप्त नींद नहीं ले पाई हैं तो उसकी भरपाई के तहत दिन में ही छोटी सी झपकी ले सकती हैं। इससे आपको न सिर्फ रिलैक्स फील होगा बल्कि आपको शरीर को अच्छा भी महसूस होगा। आपको खुद को थकान की गर्त में नहीं महसूस करेंगी। लेकिन हमेशा कोशिश करें कि रात की नींद पूरी लें।

स्मार्टली खाएं

विशेषज्ञों की मानें तो अगर आप सोने जा रही हैं तो इस समय दोनों ही तरह की स्थिति को नजरंदाज करें मसलन न तो बहुत ज्यादा खाएं और न ही भूखी रहें। ये दोनों ही स्थिति आपको मार्निंग पर्सन बनने नहीं दे सकती है। इसके उलट आपकी लाइफस्टाइल खराब कर सकती है, आपके हेल्थ पर नेगेटिव इफेक्ट छोड़ सकती है। एक बात और ध्यान रखें कि सोने से पहले वाशरूम जरूरी जाएं। शराब या काफी पीकर बेड पर जाने से बचें। यह आपके हेल्थ के लिए सही नहीं है।

सभी बत्तियां बंद करें

रात को सोने से पहले कमरे की सभी बत्तियां बंद कर दें। दरअसल ऐसा न करने से अच्छी और गहरी नींद लेने में समस्या होती है। इतना ही नहीं बत्तियां बंद करने से आपके अंदर की यानी ब्वाडी क्लाक को अलर्ट होने में मदद मिलती है। उसे दिन का और रात का सही-सही पता चलता है। लेकिन यदि आप कमरे की बत्तियां बंद नहीं करती हैं तो ब्वाडी क्लाक हर समय असमंजस में रहती है और वह आपको सही समय पर उठा नहीं पाती।

सोने के पहले तैयारी

सोने के पहले ध्यान रखें कि खुद को इलेक्ट्रानिक फ्री करके सोएं। इन दिनों देखने में आ रहा है कि बच्चे से लेकर बूढ़े तक सभी अपने सिरहाने पर मोबाइल, टैब या कोई अन्य गैजेट रखकर सोते हैं। इससे नींद बाधित होती है। बेहतर है कि सोने से पहले खुद को गैजेट और इलेक्ट्रानिक फ्री कर लें और चैन की नींद लें। इससे आपकी सुबह न सिर्फ अच्छी होगी बल्कि खिली-खिली भी हो जाएगी।

रेसिपी

रोस्टेड काजू मसाला

सामग्री

2 काजू, 12-15 साबुत कालीमिर्च, 2 बड़ा चम्मच जीरा, 1 बड़ा चम्मत साबुत धनिया, 1 छोटा चम्मच सौंफ, 1-2 लौंग, 3-4 सूखी लाल मिर्च, तलने के लिए तेल, 1 छोटा चम्मच चाट मसाला पाउडर, स्वादानुसार काला नमक, 1 छोटा चम्मच चीनी

विधि

मध्यम आंच पर एक पैन में सभी खड़े मसाले डालकर सुनहरा होने तक भून लें। गरम मसालों को प्लेट में निकालकर ठंडा होने दें। अब एक कड़ाही में तेल डालकर गर्म होने के लिए तेज आंच पर रखें। जब तक तेल गर्म हो रहा है। भूने साबुत मसालों को मिक्सर में पीसकर पाउडर बना लें। तेल में काजू को डालकर हल्का सुनहरा होने तक तल लें। काजू को किचन पेपर में निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए। काजू को एक बार में डालें फिर इसमें तैयार किया गर्म मसाला, चाट मसाला, काला नमक और चीनी डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। आप चाहें तो बोइल को 9कवर करके अच्छी तरह हिला लें। तैयार मसालेदार काजू को सर्व करें या फिर एयरटाइट कंटेनर में डालकर हफ्ते 10 दिन तक रख सकते हैं।

मीठे समोसा

सामग्री

आधा किलो मैदा, 3 बड़ा चम्मच बटर / मक्खन, 300 ग्राम घी, भरावन के लिए: आधा छोटा चम्मच तिल, 2 बड़ा चम्मच खोया, 8-10 किशमिश, आधा कप चीनी, 1 कप नारियल, कद्दूकस, 2 बड़ा चम्मच खसखस, आधा छोटा चम्मच वेनीला एसेंस

विधि

एक कटोरे में मैदा, बटर और पानी ले कर मुलायम आटा गूंद लें। इसके बाद आटे को आधे घंटे के लिए ऐसे ही रख दें। तय समय के बाद इसे फिर से अच्छी तरह मसलें। जब यह मुलायम हो जाए तो इसकी छोटी-छोटी लोई लेकर पूड़ियां बेल लें। अब एक कटोरे में खोया, चीनी, तिल, घिसी नारियल, खसखस और कुछ बूंद वेनीला एसेंस की डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। तैयार मिश्रण से एक चम्मच मसाला पूरियों में रखें और इसे समोसे जैसा आकार दें। समोसे के कोनों को चिपकाने के लिए आप चाहें तो अंडे का इस्तेमाल करें या फिर कांटे वाले चम्मच से दबाकर पैक कर सकते हैं।इसके बाद जब समोसों में भरावन पूरी तरह से भर जाए तब इन पर बटर लगा दें। मीडियम आंच में एक कड़ाही में घी डालकर गर्म करें। जब घी गर्म हो जाए तो समोसों को इसमें डीप फ्राई कर लें। आप चाहें तो इन समोसों को चाशनी में भी डिबो सकते हैं। इसके लिए 1 कप पानी में एक कप चानी डालकर चाशनी तैयार कर लें और फिर इन समोसों को इसमें डालकर कुछ देर तक रखें और निकालकर सर्व करें।

संक्षिप्त खबरें

पाकिस्तानी गुब्बारा मिलने से सनसनी

चंडीगढ़। सिरसा जिले के गांव मौजगढ़ में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब यहां धान के खेतों में एक जहाजनुमा पाकिस्तानी गुब्बारा मिला। पुलिस ने मौके पर पहुंच की जांच पड़ताल की। बताया गया कि मसीतां रोड पर जमींदार बूटा सिंह सुबह रोज की भांति खेत पर गए तो उन्हें वहां एक बहुत बड़ी चीज दिखाई दी। उन्होंने पास जाकर देखा तो सफेद रंग का पाकिस्तानी गुब्बारा था, जिस पर पीआईए लिखा हुआ था। उन्होंने इसकी सूचना अन्य लोगों को दी। इसके बाद गांव से बड़ी संख्या में लोग पाकिस्तानी गुब्बारा देखने के लिए खेत पर एकत्र हो गए। ग्रामीण कर सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है और उसने पाकिस्तानी गुब्बारे को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

रिलायंस अस्पताल में उद्धव ठाकरे की हुई एंजियोप्लास्टी सर्जरी, हार्ट में थे ब्लॉकेज

मुंबई। शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री को सोमवार सुबह गिरगांव में स्थित रिलायंस हरकिशन दास अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अस्पताल में आज ही उद्धव ठाकरे की एंजियोप्लास्टी सर्जरी की गई है। डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। डॉक्टरों के अनुसार उद्धव ठाकरे को पिछले दो दिनों से तकलीफ हो रही थी। इसी वजह से आज सुबह वे रिलायंस अस्पताल में नियमित जांच के लिए गए। अस्पताल में उनकी एंजियोग्राफी की गई। इसके बाद एंजियोग्राफी की रिपोर्ट ब्लाकेज होने की पुष्टि हुई। इसके बाद उद्धव ठाकरे को अस्पताल में भर्ती कर लिया गया और उनकी एंजियोप्लास्टी की गई। अब उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है। उद्धव ठाकरे की इससे पहले 2012 में लीलावती अस्पताल में एंजियोप्लास्टी हुई थी। करीब 12 साल बाद दोबारा उनकी एंजियोप्लास्टी की गई है।

फास्ट ट्रैक चलाया जाएगा बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का मामला : मुख्यमंत्री शिंदे

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को कहा कि पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी हत्याकांड मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाया जाएगा। इस मामले में किसी भी हमलावर को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही महाराष्ट्र में अन्य राज्य के बदमाशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एकनाथ शिंदे ने कहा कि बाबा सिद्दीकी हमारे करीबी थे। सिद्दीकी पहले कांग्रेस में थे और कई विभागों का राज्यमंत्री पद उन्होंने संभाला था। इसके बाद सिद्दीकी राकांपा अजीत पवार गुट में शामिल हो गए थे। शनिवार रात बांद्रा में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई। इस मामले की छानबीन तेजी से चल रही है। तीन आरोपित पकड़े गए हैं और तीन फरार आरोपितों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। एकनाथ शिंदे ने कहा कि इस मामले में विपक्ष दोहरा मापदंड अपना रहा है। विपक्ष ने बदलापुर मामले के आरोपित को सरेआम फांसी देने की मांग की थी लेकिन जब आरोपित एनकाउंटर में मारा गया तो विपक्ष एनकाउंटर के विरुद्ध बोलने लगा था।

असम के मोरीगांव जेल से फरार एक कैदी का शव मिला, चार की तलाश

मोरीगांव (असम)। मोरीगांव जिला जेल से शुक्रवार तड़के फरार पांच विचाराधीन कैदी में से एक का शव लहरीघाट के देवागुड़ी झील से बरामद कर लिया गया। अधिकारियों ने सोमवार सुबह बताया कि विचाराधीन कैदी अब्दुल रशीद ने पुलिस से बचने के लिए इस झील में छलांग लगा दी थी।उसके शव को मोरीगांव सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस कहना है कि जेल से भागे अन्य चारों विचाराधीन कैदियों सैफुद्दीन, जियारुल इस्लाम, नूर इस्लाम और मफीदुल रशीद की तलाश की जा रही है।

दिल्ली की सीएम ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की। दिल्ली की मुख्यमंत्री का कार्यभार संभालने के बाद आतिशी की यह प्रधानमंत्री से पहली मुलाकात थी। प्रधानमंत्री कार्यालय के हैंडल से एक्स पर दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'दिल्ली की मुख्यमंत्री @आतिशी ने प्रधानमंत्री @नरेन्द्रमोदी से मुलाकात की।' वहीं मुख्यमंत्री आतिशी ने प्रधानमंत्री कार्यालय के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। मैं हमारी राजधानी के कल्याण और प्रगति के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच पूर्ण सहयोग की आशा करती हूं।

सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी जापान यात्रा पर रवाना, रक्षा संबंधों पर होगी वार्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी सोमवार को जापान की यात्रा पर रवाना हुए, जो भारत और जापान के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यात्रा के दौरान वह 14 अक्टूबर को जापान में भारतीय राजदूत सिबी जॉर्ज से बातचीत करेंगे और उसके बाद टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में भारत-जापान संबंधों पर चर्चा करेंगे।

कर्नल सुधीर चमोली ने बताया कि सेना प्रमुख 15 अक्टूबर को इचिगया में रक्षा मंत्रालय में जापान के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व के साथ बातचीत करेंगे। इन बैठकों की योजना संयुक्त आत्मरक्षा बल के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल योशिदा योशीहिदे, जापान ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोरिशिता यासुनोरी, अधिग्रहण, प्रौद्योगिकी और रसद

एजेंसी के आयुक्त इशिकावा ताकेशी के साथ बनाई गई है। चर्चाओं का उद्देश्य भारत और जापान के बीच मजबूत सैन्य सहयोग को बढ़ावा देना होगा।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी रक्षा मंत्रालय, इचिगया में स्मारक पर श्रद्धांजलि भी अर्पित करेंगे और उन्हें जापानी सेना की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। उनकी 17 अक्टूबर तक के यात्रा कार्यक्रम में जापान के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ बातचीत और राष्ट्रीय रक्षा अध्ययन संस्थान का दौरा भी शामिल है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी 16 अक्टूबर को जापान ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोरीशिता यासुनोरी के साथ फूजी स्कूल का दौरा करेंगे, जहां वे फूजी स्कूल के कमांडिंग जनरल लेफ्टिनेंट जनरल कोडमा यासुयुकी के साथ बातचीत करेंगे। सीओएएस को स्कूल में ब्रीफिंग दी जाएगी और वे उपकरण और सुविधा प्रदर्शन भी देखेंगे।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी 17 अक्टूबर को हिरोशिमा का दौरा करेंगे, जहां वे हिरोशिमा शांति पार्क में पुष्पांजलि अर्पित करेंगे और शांति पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। जनरल उपेंद्र द्विवेदी की इस यात्रा का उद्देश्य भारत और जापान की सेनाओं के बीच सैन्य सहयोग को मजबूत करना है, साथ ही दोनों देशों के बीच सहयोग के नए रास्ते तलाशना है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने अल्जीयर्स में भारतीय समुदाय को किया संबोधित

आप भारत के सच्चे राजदूत

एजेंसी

अल्जीयर्स। भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अल्जीरिया की राजधानी अल्जीयर्स में भारतीय समुदाय के स्वागत समारोह में हिस्सा लिया। राष्ट्रपति ने कहा कि आप भारत के सच्चे राजदूत हैं। अल्जीरिया में भारतीय समुदाय अपने देश के हितों और सॉफ्ट पावर को आगे बढ़ाने वाला पुल है। राष्ट्रपति मुर्मु रविवार को यहां पहुंचीं हैं।

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर साझा की गई सचित्र पोस्ट में यह जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि आप में से प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर हमारी प्राचीन भूमि के मूल्य और संस्कृति को समेटे हुए है। जब भी आप किसी अल्जीरियाई व्यक्ति से मिलते हैं, तो आप उसका परिचय भारत की भावना

से कराते हैं। भारत सरकार और भारतीय समाज ने विदेशों में भारत की स्थिति, प्रतिष्ठा और प्रतिष्ठा को बढ़ाने में भारतीय समुदाय के योगदान को हमेशा महत्व दिया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में कल अल्जीरिया पहुंचीं। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की अल्जीरिया की पहली यात्रा है। हवाई अड्डे पर अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देलमदजीद तेब्बौने ने उनका जोरदार स्वागत किया। अल्जीरिया सरकार की कैबिनेट के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

अंकलेश्वर ड्रग्स केस में तीन निदेशकों समेत पांच गिरफ्तार

- 5 हजार करोड़ रुपये का कोकीन उत्पादन करने वाली कंपनी पर कार्रवाई

एजेंसी

अंकलेश्वर। यहां औद्योगिक क्षेत्र अंकलेश्वर के आवकार ड्रग्स नामक कंपनी से 5 हजार करोड़ रुपये कीमत की कोकीन जब्ती मामले में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने रविवार देर रात कंपनी के 3 निदेशकों समेत कुल 5 लोगों को पकड़ा है। इन सभी को सोमवार सुबह कोर्ट में पेशी के लिए ले जाया गया है। पकड़े गए कंपनी के निदेशकों में अश्विनी रामाणी, ब्रिजेश कोठिया, विजय भेसाणिया तथा दो केमिस्ट्स हैं। कोर्ट में पेशी के बाद आरोपितों को दिल्ली ले जाया जाएगा।

दिल्ली में पकड़े गए ड्रग्स मामले की जांच गुजरात के भरुच जिले के अंकलेश्वर तक पहुंच गई है। अंकलेश्वर की आवकार फार्म कंपनी से ड्रग्स की सामग्री भेजे जाने की जानकारी सामने आई थी। इसके आधार पर गुजरात और दिल्ली पुलिस ने संयुक्त ऑपरेशन चला कर जीवन रक्षक दवाएं बनाने की आड़ में कोकीन बनाने की फैक्टरी को पकड़ा। यहां से 5 हजार करोड़ रुपये की ड्रग्स बरामद हुई है। इस मामले में अंकलेश्वर में किसी तरह की प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। दिल्ली में जो प्राथमिकी दर्ज है, उसी अपराध में अंकलेश्वर से 5 आरोपित पकड़े गए हैं। अंकलेश्वर कोर्ट में ट्रांजिट रिमांड लेने के बाद इन आरोपितों को दिल्ली ले जाया जाएगा।

इसके पहले भी अंकलेश्वर से ड्रग्स बनाने की फैक्टरी कई बार पकड़ी जा चुकी है। इससे पूर्व 1 अक्टूबर, 2024 को दिल्ली की स्पेशल सेल ने महिपालपुर में तुषार गोयल नामक व्यक्ति के वेयर हाउस पर छापेमारी कर 562 किलो कोकीन और 40 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा समेत बड़ा पार्सल जब्त किया था।

तेलंगाना के नाराज ग्रामीणों ने भेजा पोस्टकार्ड

राहुल गांधी और रेवंत रेड्डी से चुनावी वादे पूरे करने को कहा

एजेंसी

हैदराबाद। आदिलाबाद के ग्रामीणों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को पोस्टकार्ड भेजकर चुनाव के समय किए गए छह वादों के कार्यान्वयन में हो रही देरी पर असंतोष व्यक्त किया है। ग्रामीणों ने लिखा कि कांग्रेस ने अपने चुनावी वादे अब तक पूरे नहीं किए।

आदिलाबाद के ग्रामीणों द्वारा भेजे पोस्टकार्ड में याद दिलाई गई है कि कांग्रेस ने महिलाओं को 2,500 रुपये की मासिक पेंशन, कल्याण लक्ष्मी योजना के लाभार्थियों को एक तोला सोना, महिला स्नातकों को स्कूटर, किसानों 15,000 रुपये प्रति एकड़ का इनपुट निवेश, किसानों के अब तक के दो लाख रुपये तक के फसली ऋण माफ करने और सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि को 2,000 रुपये से बढ़ाकर 4,000 रुपये करने की घोषणा की थी।

बड़ी संख्या में भेजे गए पोस्टकार्ड में लिखा है कि कि कांग्रेस ने सत्ता संभालने के 100 दिन के भीतर छह गारंटी को पूरा करने का वादा किया था। पर अब तक उस दिशा में कुछ भी नहीं किया गया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि कांग्रेस अपने वादों को पूरा नहीं करती तो वह लोग नई दिल्ली में जनपथ पर धरना देंगे।

एक्स हैंडल पर ग्रामीणों के विरोध के बारे में पोस्ट करते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि लोग कांग्रेस के विश्वासघात को देख पा रहे हैं। आदिलाबाद जिले के मुखरा गांव के ग्रामीणों ने राहुल गांधी को तेलंगाना में छह वादों का कार्यान्वयन तुरंत शुरू करने के लिए लिखा है। छह वादों को सरकार गठन के 100 दिनों के भीतर लागू करना का आश्वासन दिया गया था। अब 300 दिन से अधिक हो गए हैं और प्रगति का कोई संकेत नहीं है।

कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त और राजनयिकों को जांच के दायरे में लाने पर भारत हुआ सख्त

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा और अन्य राजनयिकों को एक मामले में जांच से जोड़े जाने पर बेहद कड़ा रुख अपनाया है। इसके लिए सीधे तौर पर कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पर जिम्मेदार ठहराते हुए भारत ने चेतावनी दी है कि उसके पास इस मामले में आगे कदम उठाने के पूरे अधिकार हैं।

कनाडा ने राजनयिक माध्यम से भारत को कल जानकारी दी थी कि भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिक उनके देश में एक जांच से संबंधित मामले में 'रुचि के व्यक्ति' हैं। इस पर आज करारा जवाब देते हुए विदेश मंत्रालय ने विज्ञप्ति जारी की है।

उल्लेखनीय है कि कनाडा के प्रधानमंत्री लगातार भारत पर उसके नागरिक खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले पर आरोप लगा रहे हैं। विदेश मंत्रालय का कहना है कि भारत की ओर से कई अनुरोधों के बावजूद, कनाडाई सरकार ने भारत सरकार के साथ एक भी सबूत साझा नहीं किया है। मंत्रालय का कहना है कि प्रधानमंत्री ट्रूडो की भारत के प्रति शत्रुता लंबे समय से साक्ष्य में है। उनकी हरकतों से पता चलता है कि यह उनकी जांच के बहाने राजनीतिक लाभ के लिए भारत पर कीचड़ उछालने की एक सोची-समझी रणनीति है। भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाने वाला यह नवीनतम घटनाक्रम अब उसी दिशा में अगला कदम है।

वक्तव्य में कहा गया है कि यह कोई संयोग नहीं है कि यह तब हो रहा है जब प्रधानमंत्री ट्रूडो को विदेशी हस्तक्षेप पर एक आयोग के सामने पेश होना है। यह भारत विरोधी अलगाववादी एजेंडे को भी पूरा करता है जिसे ट्रूडो सरकार ने संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए लगातार बढ़ावा दिया है। उनके मंत्रिमंडल में ऐसे व्यक्तियों को शामिल किया गया है जो भारत के संबंध में खुले तौर पर चरमपंथी और अलगाववादी एजेंडे से जुड़े हैं। दिसंबर 2020 में भारतीय आंतरिक राजनीति में उनके खुले हस्तक्षेप से पता चला कि वह इस संबंध में कितनी दूर तक जाने को तैयार थे।

इसमें कहा गया है कि भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा 36 वर्षों के प्रतिष्ठित करियर के साथ भारत के सबसे वरिष्ठ सेवारत राजनयिक हैं। वह जापान और सूडान में राजदूत रहे हैं, जबकि इटली, तुर्किये, वियतनाम और चीन में भी कार्यरत रहे हैं। कनाडा सरकार द्वारा उन पर लगाए गए आक्षेप हास्यास्पद हैं और जिसे अवमानना माना जाना चाहिए। भारत ने चेतावनी दी है कि भारतीय राजनयिकों के खिलाफ मनगढ़ंत आरोप लगाने की कनाडाई सरकार की इन नवीनतम कोशिशों के जवाब में अब भारत के पास आगे कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित है।

कविता सहाय ने डीजी चिकित्सा सेवा (नौसेना) का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। सर्जन वाइस एडमिरल कविता सहाय ने सोमवार को नई दिल्ली में महानिदेशक चिकित्सा सेवा (नौसेना) के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने पैथोलॉजी में विशेषज्ञता हासिल की है और वे नई दिल्ली के एम्स से ऑन्को पैथोलॉजी में सुपर स्पेशलाइज्ड हैं। फ्लैग ऑफिसर को 30 दिसंबर, 1986 को सेना चिकित्सा कोर में कमीशन दिया गया था। प्रतिष्ठित सशस्त्र बल चिकित्सा महाविद्यालय पुणे की पूर्व छात्रा कविता सहाय आर्मी रिसर्च और रेफरल अस्पताल तथा बीएचडीसी में प्रोफेसर और लैब साइंसेज विभाग की प्रमुख रही हैं। वह पुणे के सशस्त्र सेना मेडिकल कॉलेज में पैथोलॉजी विभाग में भी प्रोफेसर रही हैं। यह पदभार संभालने से पहले वह आर्मी मेडिकल सेंटर की पहली महिला कमांडेंट थीं। वह सेना चिकित्सा कोर की कर्नल कमांडेंट के रूप में चुनी जाने वाली पहली महिला अधिकारी हैं।

दिल्ली पुलिस ने गुजरात पुलिस के साथ मिलकर पांच हजार करोड़ की कोकीन पकड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और गुजरात पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में रविवार को गुजरात के अंकलेश्वर में अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी की तलाशी में 518 किलोग्राम कोकीन बरामद की गई। ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 5 हजार करोड़ रुपये बताई जा रही है। पिछली बरामदगी मिलाकर अब तक दिल्ली पुलिस ने छापेमारी के दौरान कुल 1,289 किलोग्राम कोकीन और थाईलैंड की 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना बरामद की है, जिसकी कुल कीमत लगभग 13 हजार करोड़ रुपये है। इससे पहले दिल्ली में 1 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने महिपालपुर में तुषार गोयल नामक व्यक्ति के गोदाम पर छापेमारी करके 562 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना की खेप को जब्त किया था। जांच के दौरान 10 अक्टूबर को दिल्ली के रमेश नगर की एक दुकान से लगभग 208 किलो अतिरिक्त कोकीन बरामद हुई।

आस्था — कार्तिक कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से बदलेगी भगवान महाकाल की दिनचर्या

आधा घंटा देरी से करेंगे भोजन, गर्म जल से करेंगे स्नान

एजेंसी

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के मंदिर में आगामी 18 अक्टूबर को कार्तिक कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से भगवान महाकाल की दिनचर्या बदलेगी। सर्दी के मौसम में अवंतिकानाथ सुबह आधा घंटा देरी से भोजन करेंगे। भस्म आरती में भगवान को गर्म जल से स्नान कराया जाएगा। प्रतिदिन होने वाली पांच में तीन आरती का समय भी बदलेगा। दिनचर्या में बदलाव का यह क्रम फाल्गुन पूर्णिमा तक चलेगा।

- प्रतिदिन होने वाली पांच में तीन आरती का समय भी बदलेगा
- प्रतिदिन तड़के चार बजे होने वाली भस्म आरती तथा रात 10.30 बजे होने वाली शयन आरती अपने निर्धारित समय पर होगी

पं. महेश पुजारी ने रविवार को बताया कि महाकाल मंदिर की पूजन परंपरा में गर्मी व सर्दी के क्रम में प्रत्येक छह माह में भगवान की दिनचर्या बदलती है। वर्तमान में भगवान की दिनचर्या गर्मी के मौसम अनुसार चल रही है। भगवान ठंडे जल से स्नान कर रहे हैं, लेकिन कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से मंदिर में सर्दी की शुरुआत मानी जाती है। इस दिन से भगवान महाकाल ठंडे के बजाय गर्म जल से स्नान करना प्रारंभ करते हैं। साथ ही आरती का समय भी बदलता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रतिदिन सुबह सात बजे दद्योदक अर्थात बालभोग आरती हो रही है। इस आरती में भगवान को दही-चावल का भोग लगाया जाता है। आगामी 18 अक्टूबर से यह आरती सुबह 7.30 बजे से होगी। इसी प्रकार वर्तमान में सुबह 10 बजे भोग आरती हो रही है। इसमें भगवान को दाल, चावल, रोटी, सब्जी, मिष्ठान का नैवेद्य लगाया जाता है। यानी भगवान सुबह 10 बजे भोजन कर रहे हैं। वहीं, 18 अक्टूबर से भोग आरती सुबह 10.30 बजे होगी। इसका आशय यह है, सर्दी में भगवान आधा घंटा देरी से भोजन करेंगे। वर्तमान में संध्या आरती शाम सात बजे की जा रही है, लेकिन 18 अक्टूबर से संध्या आरती प्रतिदिन शाम 6.30 बजे से होगी, क्योंकि सर्दियों में सूर्यास्त जल्दी होने लगता है।

इसके अलावा, प्रतिदिन तड़के चार बजे होने वाली भस्म आरती तथा रात 10.30 बजे होने वाली शयन आरती अपने इसी निर्धारित समय पर होगी। शाम पांच बने होने वाली संध्या पूजन का समय भी वहीं रहेगा।

इजराइल की सैन्य ताकत बढ़ेगी

अमेरिका 100 सैनिकों के साथ भेजेगा उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणाली

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने इजराइल को उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणाली भेजने का फैसला किया है। साथ ही इसे संचालित करने के लिए लगभग 100 अमेरिकी सैनिक भी भेजे जाएंगे। सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमलों के बाद यह इजराइल में अमेरिकी सेना की पहली तैनाती होगी। यह जानकारी पेंटागन ने दी।

द न्यूयार्क टाइम्स की खबर के अनुसार, इस कदम से बैलिस्टिक मिसाइलों से बचाव के लिए डिजाइन की गई जमीन-आधारित इंटरसेप्टर प्रणाली का संचालन करने वाले अमेरिकी सैनिक मध्य पूर्व में व्यापक युद्ध के करीब पहुंच जाएंगे। पेंटागन ने यह कदम ईरान के पहली अक्टूबर को इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलें सहित लगभग 200 मिसाइलें दागने के बाद उठाया है। इस समय ईरान पर इजराइल जवाबी कार्रवाई की योजना बना रहा है।

खबर में कहा गया है कि रविवार को जब इस बारे में पूछा गया तो राष्ट्रपति जो बाइडन ने केवल इतना कहा कि उन्होंने पेंटागन को इजरायल के लिए रक्षा प्रणाली तैनात करने का आदेश दिया है। इस बीच हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजराइल में एक सैन्य अड्डे के खिलाफ ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली है। इस हमले में दर्जनों लोग घायल हुए हैं।

संक्षिप्त खबरें

केन्याई धावक रूथ चेपनगेटिच ने शिकागो में तोड़ा महिला मैराथन का विश्व रिकॉर्ड

न्यूयॉर्क। केन्या की रूथ चेपनगेटिच ने रविवार को इतिहास रचते हुए शिकागो में महिलाओं की मैराथन का विश्व रिकार्ड तोड़ दिया। उन्होंने पिछले सर्वश्रेष्ठ से लगभग दो मिनट पीछे रहकर दो घंटे, नौ मिनट और 56 सेकंड का अनौपचारिक समय लेकर दौड़ पूरी की। चेपनगेटिच ने शिकागो में अपना तीसरा खिताब जीता और इथियोपिया की टिगस्ट अस्सेफा के पिछले साल बर्लिन में बनाए गए 2:11:53 के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इथियोपिया की सुतुमे केबेडे ने दो घंटे 16 मिनट और 36 सेकंड बाद रेखा पार की, जबकि केन्या की इरीन चेप्टाई (2:17:51) तीसरे स्थान पर रहीं।रिकॉर्ड तोड़ने के बाद चेपनगेटिच ने कहा, मेरा सपना सच हो गया है,जिसका समय मूल रूप से 2:09:57 दर्ज किया गया था, लेकिन बाद में इसे समायोजित कर दिया गया। चेपनगेटिच ने शुरू से ही तेज रफ़्तार पकड़ी, पहले पाँच किलोमीटर 15 मिनट में दौड़ीं और आधे रास्ते तक उन्होंने खुद और केबेडे के बीच 14 सेकंड का अंतर बना लिया। 2019 की विश्व चैंपियन चेपनगेटिच रेस पूरी करने के बाद थककर झुक गईं और अपने प्रदर्शन को हमवतन केल्विन किप्टम को समर्पित किया, जिन्होंने एक साल पहले शिकागो में पुरुषों का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा था और चार महीने बाद एक कार दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी।

ज्यादातर भारतीय खिलाड़ियों को चुना : श्रीजेश

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की नीलामी के पहले दिन रविवार को विभिन्न फ्रैंचाइज़ियों के प्रमुख लोगों ने अपनी टीम की संरचना और नीलामी प्रक्रिया पर अपने विचार साझा किए, जिससे आने वाले सत्र के लिए उनका आत्मविश्वास और उत्साह झलका। दिल्ली एसजी पाइपर्स के निदेशक और सहायक कोच पीआर श्रीजेश ने टीम के चयन पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने टीम की संतुलित प्रकृति पर जोर दिया, जिसमें अनुभवी विदेशी और प्रतिभाशाली भारतीय खिलाड़ियों का मिश्रण शामिल है। श्रीजेश ने कहा, हमने एक अच्छी टीम चुनी है, जिसमें एक विदेशी गोलकीपर भी शामिल है। ज्यादातर, हमने भारतीय खिलाड़ियों को चुना है, जिससे डिफेंस और मिडफील्ड में पर्याप्त खिलाड़ियों के साथ एक संतुलित टीम तैयार हुई है। अह हमें फॉरवर्ड और मिडफील्ड पोजीशन पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। टीम के साथ अपनी परिचितता को दशार्ते हुए, उन्होंने कहा, मैं उन खिलाड़ियों को जानता हूँ जो हमारे साथ हैं; वे मेरे जूनियर हैं। एक खिलाड़ी आपको खेल नहीं जिता सकता; जीत तो टीम को ही मिलती है।

नेपाल के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए यूएसए टीम घोषित, अली खान की वापसी, टेलर बाहर

न्यूयॉर्क। पूर्व कप्तान स्टीवन टेलर को इस सप्ताह के अंत में नेपाल के खिलाफ होने वाली टी20आई सीरीज के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है, वहीं तेज गेंदबाज अली खान की वापसी हुई है। 31 वर्षीय टेलर, विश्व कप और नीदरलैंड में 50 ओवर की सीरीज में खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। वह नीदरलैंड में टी20आई टीम का हिस्सा थे, लेकिन सीरीज से पहले एकदिनी श्रृंखला में चोट लगने के बाद उन्हें 'आराम' दिया गया था। विश्व कप के बाद से अपनी पिछली 7 पारियों में 13 की औसत से रन बनाने वाले नीतीश कुमार को भी बाहर का रास्ता दिखाया गया। कनाडा के पूर्व कप्तान, जिन्होंने इस साल की शुरूआत में टी20 विश्व कप में टीम की अगुवाई की थी, ने भारत के खिलाफ 27 रनों की प्रभावशाली पारी के बाद अपना फॉर्म खो दिया। समित पटेल एक बार फिर कमर की चोट के कारण छह सप्ताह तक खेल से बाहर रहेंगे, जिससे वह टी20 सीरीज के बाद 50 ओवर की त्रिकोणीय सीरीज से भी बाहर हो जाएंगे। हालांकि यूएसए अपने करिश्माई तेज गेंदबाज अली खान से उत्साहित होगा।

इमर्जिंग टीम एशिया कप के लिए भारतीय ए टीम घोषित, तिलक वर्मा होंगे कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने मस्कट, ओमान में 18 से 27 अक्टूबर 2024 तक खेले जाने वाले आगामी एसीसी पुरुष टी20 इमर्जिंग टीम एशिया कप 2024 के लिए सोमवार को भारतीय ए टीम की घोषणा कर दी है। बल्लेबाज तिलक वर्मा को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि अभिषेक शर्मा टीम के उप कप्तान होंगे। भारत ए को ग्रुप बी में ओमान, पाकिस्तान ए और यूएई के साथ रखा गया है जबकि अफगानिस्तान ए, बांग्लादेश ए, हांगकांग और श्रीलंका ए को ग्रुप ए में रखा गया है। भारत ए 19 अक्टूबर, 2024 को ओमान के मस्कट में क्रिकेट अकादमी ग्राउंड में पाकिस्तान ए के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगा। इसके बाद भारत 21 अक्टूबर को यूएई और 23 अक्टूबर को ओमान से भिड़ेगी। भारत ए की टीम इस प्रकार है: तिलक वर्मा (कप्तान), अभिषेक शर्मा (उपकप्तान), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, रमनदीप सिंह, नेहल वढेरा, आयुष बदोनी, अनुज रावत (विकेटकीपर), साई किशोर, रितिक शौकीन, राहुल चाहर, वैभव अरोरा, अंशुल कंबोज, आकिब खान, रसिक सलाम।

डेनमार्क ओपन: आर्कटिक ओपन की निराशा के बाद फॉर्म हासिल करना चाहेंगे सिंधु, लक्ष्य सेन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन सितारे पी.वी. सिंधु और लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू हो रहे 850,000 अमेरिकी डॉलर इनामी डेनमार्क ओपन सुपर 750 में भाग लेकर अपने सत्र की निराशाजनक शुरूआत से उबरकर वापसी करने के लिए उत्सुक होंगे।

पिछले हफ़्ते फिनलैंड के वंता में आर्कटिक ओपन में दोनों खिलाड़ियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा, जहां पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा, जबकि 2021 के विश्व कांस्य विजेता सेन दूसरे दौर में बाहर हो गए। ओडेंस के एरिना फिन में, दोनों खिलाड़ी बेहतर नतीजों की उम्मीद करेंगे। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में दोनों भारत की चुनौती का नेतृत्व करेंगे, जो 2024 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का 13वां आयोजन है। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाले सेन पिछले हफ़्ते चीनी ताइपे के

चोउ टिएन चेन से हार गए थे। यहां, अल्मोड़ा के 23 वर्षीय खिलाड़ी सेन का सामना अपने शुरूआती मैच में चीन के लू गुआंग जू से होगा। अगर वह आगे बढ़ते हैं, तो सेन का दूसरे दौर में इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से मुकाबला हो सकता है, जबकि थाईलैंड के मौजूदा विश्व चैंपियन कुनलावुत विटिडसर्न क्वार्टर फाइनल में उनका इंतजार कर रहे होंगे।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु को आर्कटिक ओपन में कनाडा की मिशेल ली से पहले दौर में मिली निराशाजनक हार के बाद अपने प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले मुद्दों को जल्दी से जल्दी हल करना होगा, एक प्रतिद्वंद्वी जिसे वह पहले 10 बार हरा चुकी हैं।

नए कोच अनूप श्रीधर और कोरिया के ली ह्यून-इल के मार्गदर्शन में, वह चीनी ताइपे की पाई यू पो के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगी और अगर वह आगे बढ़ती हैं, तो दूसरे दौर में उनका सामना चीन की हान यू से हो सकता है।

सिंधु के अलावा, महिला एकल में भारत के कई अन्य प्रतियोगी होंगे, जिनमें फॉर्म में चल रही मालविका बंसोड़, आकर्षि कश्यप और होनहार प्रतिभा उन्नति हुड्डा शामिल हैं।

बंसोड़, जो चाइना ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुँची थीं, पहले वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह से भिड़ेंगी, जबकि कश्यप का सामना थाईलैंड की सुपनिडा कटेथोंग से होगा। 2022 ओडिशा ओपन विजेता हुड्डा का मुकाबला यूएसए की लॉरेन लैम से होगा।

पुरुष युगल में कोई भारतीय प्रतिनिधित्व नहीं होगा, लेकिन पेरिस ओलंपिक से चूकने वाली ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद महिला युगल में भाग लेंगी, जिसमें उनका मुकाबला मलेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी पर्ली टैन और थिन्नाह मुरलीधरन से होगा।

पांडा बहनें, स्वेतापर्णा और रुतपर्णा, चीनी ताइपे की चांग चिंग हुई और यांग चिंग तुंग से भिड़ेंगी। मिश्रित युगल में, बी सुमित रेड्डी और सिक्की रेड्डी की पति-पत्नी की जोड़ी का सामना कनाडा के केविन ली और एलियाना झांग से होगा, जबकि सतीश करुणाकरण और आद्या वरियाथ का सामना इंडोनेशिया के रेहान कुशारजंतो और लिसा कुसुमावती से होगा।

महिला एचआईएल: ऐतिहासिक नीलामी के लिए 350 से अधिक खिलाड़ी तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। सात साल के अंतराल के बाद, बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 एक विस्तारित प्रारूप के साथ शानदार वापसी कर रही है, जिसमें पुरुष और पहली बार एक विशेष महिला लीग दोनों शामिल हैं। मंगलवार को होने वाली ऐतिहासिक महिला नीलामी हॉकी की दुनिया में एक प्रमुख मील का पत्थर है, जो खेल के विकास और महिला हॉकी की बढ़ती प्रमुखता को प्रदर्शित करती है।

एचआईएल ढांचे के भीतर एक विशेष महिला लीग की शुरूआत न केवल महिला एथलीटों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है, बल्कि पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ समानता भी सुनिश्चित करती है, जिससे भारतीय हॉकी के लिए अधिक समावेशी और प्रतिस्पर्धी भविष्य का मार्ग प्रशस्त होता है। यह भारत में उन दुर्लभ उदाहरणों में से एक है जहां एक प्रमुख खेल

एचआईएल नीलामी एक बड़ी उपलब्धि

लीग के पुरुष और महिला दोनों संस्करण एक साथ चलेंगे। नीलामी में 250 से अधिक घरेलू महिला खिलाड़ी और 70 से अधिक विदेशी खिलाड़ी महिला एचआईएल के उद्घाटन सत्र में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। इस आयोजन में भारत की शीर्ष महिला हॉकी खिलाड़ी शामिल होंगी, जिनमें अनुभवी गोलकीपर सविता, टीम की कप्तान सलीमा टेटे, उभरती ड्रैग-फ्लिकर दीपिका, सबसे अधिक मैच खेलने वाली भारतीय महिला खिलाड़ी वंदना कटारिया और फॉरवर्ड लालरेम्सियामी शामिल हैं।

इसके अलावा, योगिता बाली, लिलिमा मिंज और नमिता टोप्पो जैसी पूर्व भारतीय खिलाड़ियों ने भी पंजीकरण कराया है, जिससे नीलामी में और भी रोमांच बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, डेलफिना मेरिनो (अर्जेंटीना), चार्लोट स्टेपेनहोर्स्ट (जर्मनी), मारिया ग्रेनाटो (अर्जेंटीना), राचेल लिंच (ऑस्ट्रेलिया) और नाइक लोरेंज (जर्मनी) जैसी प्रसिद्ध खिलाड़ी भाग लेने के लिए तैयार हैं। उल्लेखनीय रूप से, एचआईएल 2024-25 के महिला संस्करण के पहले सत्र में कुल चार टीमें भाग लेंगी, जबकि टूर्नामेंट के दूसरे सत्र में दो और टीमें जोड़ी जाएंगी। हिस्सा लेने वाली टीमें सूरमा हॉकी क्लब, हरियाणा और पंजाब-जेएसडब्ल्यू, श्राची राहर बंगाल टाइगर्स, पश्चिम बंगाल - श्राची स्पोर्ट्स, दिल्ली एसजी पाइपर्स, नई दिल्ली - एसजी स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट, ओडिशा वारियर्स, राउरकेला - नवोयम स्पोर्ट्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद तूफान (सीजन 2) और बीसी जिंदल ग्रुप, मुंबई (सीजन 2) हैं।

प्रत्येक टीम में 24 खिलाड़ी शामिल होंगे, जिसमें 16 भारतीय खिलाड़ी (4 जूनियर खिलाड़ियों का अनिवार्य समावेश) और 8 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे, जो स्थानीय और वैश्विक प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के एचआईएल के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

हम ढीली गेंदों को हिट नहीं कर सके : हरमनप्रीत

एजेंसी

शारजाह। आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ रन से मिली हार के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि वह और दीप्ति शर्मा अपनी साझेदारी के दौरान कुछ ढीली गेंदों को सही से हिट नहीं कर सकीं,जिसके कारण अंततः टीम की हार हुई। एनाबेल सदरलैंड के शानदार अंतिम ओवर की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को शारजाह में आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप मैच में मात्र नौ रन से जीत दर्ज की। हरमनप्रीत ने पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में कहा कि दोनों टीमों के बीच मुख्य अंतर यह था कि ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल एक या दो खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं थी और उसके पास कुछ बेहतरीन ऑलराउंडर भी थे। हरमनप्रीत ने कहा, मुझे लगता है कि उनकी पूरी टीम योगदान देती है, वे एक या दो खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं रहते हैं, उनके पास कई ऑलराउंडर हैं जो योगदान देते हैं।

हमने भी अच्छी योजना बनाई थी और हम खेल में मौजूद थे। उन्होंने आसानी से रन नहीं दिए और इसे मुश्किल बना दिया। वे एक अनुभवी टीम हैं। यह कुछ ऐसा है जो आपके नियंत्रण में नहीं है, आपको हमेशा अपने प्लेइंग इलेवन को तैयार रखना होता है, भले ही एक या दो खिलाड़ी बाहर हों। उन्होंने कहा, राधा ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की, वह खेल में थी और उसने अच्छा क्षेत्ररक्षण भी किया। आपको टीम में ऐसे चरित्र की आवश्यकता होती है जो हमेशा मौजूद रहे।

इंग्लैंड की प्लेइंग 11 घोषित, कप्तान स्टोक्स की वापसी

मुल्तान। इंग्लैंड और पाकिस्तान टीम के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला कल यानी मंगलवार से मुल्तान में खेला जाएगा। सीरीज में इंग्लैंड की टीम पहला टेस्ट मैच जीतकर 1-0 से आगे है। इस बीच सोमवार को दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम की प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया गया है। दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की वापसी हुई है। बेन स्टोक्स इस साल अगस्त के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगे। हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण स्टोक्स ने इंग्लैंड के लिए पिछले चार टेस्ट मिस किए। वह श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज और पाकिस्तान के खिलाफ मुल्तान में पहला टेस्ट मैच नहीं खेल पाए। उनकी अनुपस्थिति में ओली पोप ने टीम की कमान संभाली। हालांकि, स्टोक्स इंग्लैंड टीम के साथ नियमित रूप से जुड़े रहे और अब वह फिट होकर फिर से टीम की कमान संभालेंगे।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए ग्रीन

एजेंसी

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन की रीढ़ की हड्डी में तनाव फ्रैक्चर के लिए सर्जरी होगी, जिससे वह भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। टीम के प्रवक्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, रिकवरी का समय लगभग छह महीने होने का अनुमान है। सर्जरी के लिए आगे बढ़ने का फैसला कैमरनके एक ऑलराउंडर के रूप में दीर्घकालिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया गया है। ग्रीन को इंग्लैंड में एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान पीठ के निचले हिस्से में तनाव

फ्रैक्चर का पता चला था, जिससे भारत के खिलाफ टेस्ट मैचों के लिए उनकी उपलब्धता के बारे में अटकलें लगाई जा रही थीं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को कहा था कि ग्रीन इस बात पर विचार कर रहे हैं कि क्या उन्हें न्यूजीलैंड के विशेषज्ञों से सर्जरी करवानी चाहिए, जिन्होंने पहले भी तेज गेंदबाजों की मदद की है। विकल्प यह था कि सर्जरी के बिना ही उन्हें ठीक किया जाए और ग्रीन को भारत सीरीज में केवल बल्लेबाज के रूप में खेलने दिया जाए। हालांकि, ग्रीन की स्थिति अधिक जटिल थी, इसलिए सर्जरी बेहतर थी। प्रवक्ता ने कहा, जबकि तेज गेंदबाजों में रीढ़ की हड्डी में तनाव फ्रैक्चर असामान्य नहीं है,पूरी तरह से परामर्श के बाद यह तय किया गया कि कैमरनको सर्जरी से लाभ होगा।

व्यापार

आईपीओ लॉन्च होने के पहले ग्रे मार्केट में हुंडई की घटी चमक

570 से घट कर 60 रुपये के स्तर पर आया प्रीमियम

एजेंसी

नई दिल्ली। हुंडई मोटर इंडिया कल भारतीय शेयर बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ लॉन्च करने वाली है। इस आईपीओ का निवेशकों को लंबे समय से इंतजार है। 15 से 17 अक्टूबर तक सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होने वाले इस आईपीओ के जरिए कंपनी ने 27,870 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। इस इश्यू के लिए 1,865 से 1,960 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है। माना जा रहा है कि इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल सकता है। हालांकि ग्रे मार्केट में इस आईपीओ की

चमक गिरती जा रही है। इसके ग्रे मार्केट प्रीमियम में लगातार गिरावट आई है।

हुंडई मोटर इंडिया के आईपीओ ने फाइनल होने के बाद ग्रे मार्केट में जबरदस्त मजबूती के साथ ट्रेड करना शुरू किया था। ग्रे मार्केट में हुंडई मोटर के शेयर ने 470 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड करना शुरू किया और सिर्फ 24 घंटे में ही इसका प्रीमियम बढ़कर 570 रुपये हो गया। उम्मीद की जा रही थी कि हुंडई मोटर के शेयर का ग्रे मार्केट में प्रीमियम 750 रुपये तक जा सकता है, लेकिन 570 रुपये के स्तर से ही इसके ग्रे मार्केट प्रीमियम में गिरावट आनी शुरू हो गई। अब हुंडई मोटर का आईपीओ लांच होने में सिर्फ एक दिन बाकी है, तब ग्रे मार्केट में इसका प्रीमियम घट कर 60 रुपये के स्तर पर आ गया है। ग्रे मार्केट के मौजूदा प्रीमियम को ही अगर अंतिम मान लिया जाए, तो शेयर मार्केट में हुंडई मोटर के शेयरों की लिस्टिंग इसके अपर प्राइस बैंड में 60 रुपये जोड़ कर 2,020 रुपये के स्तर पर हो सकती है। ऐसा होने पर आईपीओ निवेशकों को 3 प्रतिशत के करीब लिस्टिंग गेन हो सकता है। हालांकि ग्रे मार्केट के प्रीमियम को सिर्फ एक संकेत मानना चाहिए, क्योंकि ग्रे मार्केट की स्थिति लगातार बदलती है, जिससे प्रीमियम के स्तर में भी बदलाव होते रहता है।

थोक महंगाई दर सितंबर महीने में बढ़कर 1.84 फीसदी पर पहुंची

एजेंसी

नई दिल्ली। खाद्य पदार्थों की कीमतों में उछाल की वजह से थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर बढ़कर सितंबर महीने में 1.84 फीसदी हो गई, जबकि अगस्त महीने में यह 1.31 फीसदी थी। सितंबर 2023 में थोक महंगाई दर 0.26 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि सितंबर महीने में थोक महंगाई दर सालाना आधार पर बढ़कर 1.84 फीसदी पर पहुंच गई है। इससे पिछले महीने अगस्त में यह दर घटकर 1.31 फीसदी पर आ गई थी। जुलाई में थोक महंगाई दर 2.04 फीसदी रही थी। मंत्रालय ने कहा कि सब्जियों और खाने-पीने के चीजों के दाम बढ़ने की वजह से थोक महंगाई दर बढ़ी है।

आंकड़ों के मुताबिक खाद्य पदार्थों

की कीमतें सितंबर महीने में बढ़कर 9.47 फीसदी हो गई है, जबकि अगस्त में यह 3.26 फीसदी रही थी। हालांकि, सितंबर में ईंधन और बिजली की कीमतों में 4 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है, जबकि पिछले महीने यह 0.67 फीसदी थी। वहीं, थोक मूल्य सूचकांक के प्राइमरी आर्टिकल की सलाना मुद्रास्फीति दर बढ़कर 6.59 फीसदी हो गई है, जो अगस्त में 2.42 फीसदी रही थी। हालांकि, मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों की थोक महंगाई दर 1.22 फीसदी से घटकर एक फीसदी पर आ गई है।

शक्तिकांत दास ने धन प्रेषण की लागत और समय कम करने की वकालत की

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को विदेश से धन भेजने में लगने वाले समय और लागत कम करने की वकालत की। उन्होंने कहा कि विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए ये अत्यंत महत्वपूर्ण है। दास ने कहा कि नई प्रौद्योगिकी और भुगतान प्रणाली का उपयोग सीमा पार भुगतान में तेजी लाने और विस्तार के लिए किया जा सकता है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने नई दिल्लीं में सेंट्रल बैंकिंग एट क्रॉसरोड्स विषय पर आयोजित एक उच्चस्तरीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सहित कई उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए सीमा पार पीयर-टू-पीयर (पी2पी) भुगतान की संभावनाओं

को तलाशने के लिए धन प्रेषण शुरूआती बिंदु है। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि ऐसे धन प्रेषणों की लागत और समय को कम करने की अपार संभावनाएं हैं शक्तिकांत दास ने कहा कि इसके अलावा डॉलर, यूरो और पाउंड जैसी प्रमुख व्यापारिक मुद्राओं में लेनदेन निपटाने के लिए वास्तविक समय सकल निपटान (आरटीजीएस) के विस्तार की व्यवहार्यता द्विपक्षीय या बहुपक्षीय व्यवस्था के माध्यम से तलाशी जा सकती है। उन्होंने कहा कि भारत और कुछ अन्य अर्थव्यवस्थाओं ने द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों तरीकों से सीमा पार तीव्र भुगतान प्रणालियों के संपर्क का विस्तार करने के प्रयास पहले ही शुरू कर दिए हैं। दास ने कहा कि सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) एक और क्षेत्र है जिसमें कुशल सीमा-पार भुगतान की सुविधा प्रदान करने की क्षमता है। आरबीआई गवर्नर ने बैंकिंग क्षेत्र में कृत्रिम मेधा (एआई) के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे साइबर हमले और डेटा उल्लंघन की घटनाएं बढ़ सकती हैं। शक्तिकांत दास ने कि बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को इन सभी जोखिमों के खिलाफ पर्याप्त जोखिम शमन उपाय करने चाहिए। अंतिम विश्लेषण में, बैंकों को एआई और बिगटेक के लाभों का लाभ उठाना चाहिए।

गुटबाज़ी में फँसे सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता सिटी डिवीज़न -सेकंड ,जयपुर

चमकता राजस्थान

जयपुर। सार्वजनिक निर्माण विभाग में इस समय गुटबाज़ी चरम पर है,मिली जानकारी के अनुसार सार्वजनिक निर्माण विभाग सिटी डिवीज़न-सेकंड,जयपुर में नये अधिशासी अभियंता बनाम पुराने अधिशासी अभियंता का गुट चल रहा है जहाँ पुराने अधिशासी अभियन्ता गुट के सहायक अभियंता तथा ठेकेदार अपने काम तथा बिलों के लिए मारे मारे फिर रहे हैं वही नए अधिशासी अभियंता गुट के सहायक अभियंता तथा ठेकेदार अपने काम करवाने में उनसे आगे चल रहे हैं, इसमें नये अधिशासी अभियंता की पौ बारा हो रही है, अधिशासी अभियंता सब कुछ जानते हुए भी सिटी डिवीज़न सेकेंड की कुर्सी आनंद ले रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार सहायक अभियंता अधिशासी अभियंता को अंधेरे में रखकर अपने काम करवा रहे हैं वहीं दूसरी ओर उन्हें साईट निरीक्षण नहीं करने देने का भी दबाव बना रहे हैं ताकि वह वस्तु स्थिति से परिचित न हो सकें और उनके काम बखूबी चलते रहे। चर्चा यह भी है कि अधीक्षण अभियंता का हाथ भी उन सहायक अभियंताओं पर है जो नए अधिशासी अभियंता को अंधेरे में रखकर अपने काम निकलवा रहे हैं।

सार्वजनिक निर्माण विभाग में अभियंताओं के स्थानांतरण /पदस्थापन

चमकता राजस्थान

जयपुर। सार्वजनिक निर्माण विभाग में संयुक्त शासन सचिव कमल राम मीणा ने एक आदेश जारी कर राजेश मीणा (कनिष्ठ अभियंता) को अनुभाग -2 अजमेर (शहर उपखंड -2 अजमेर), महेंद्र चोपड़ा (सहायक अभियंता) को उपखंड पुष्कर (जिला खंड अजमेर), मुकेश कुमार ढाका (सहायक अभियंता) को उपखंड मुंडवा (खंड जायल),सहीराम (सहायक अभियन्ता) को उपखंड -1 लूणकरणसर जिला खंड -2 बीकानेर), शिवराम मीणा (सहायक अभियंता)को उपखंड खींवसर (खंड नागौर) में तबादले आदेश जारी किए।

मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री जर्मनी में

चमकता राजस्थान/जयपुर।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जर्मनी के म्यूनिख में भारतीय कौंसुल जनरल शत्रुघ्न सिन्हा द्वारा राइजिंग राजस्थान डेलीगेशन के सम्मान में दिये भोज में भाग लिया।
इस अवसर पर एडिशनल चीफ सेक्रेटरी शिखर अग्रवाल,चेयरपर्सन पावर डिस्कॉम आरती डोगरा,उद्योग, वाणिज्य एवं बीआईपी के आयुक्त रोहित गुप्ता सहित अन्य मौजूद रहे।

पीएम इंटर्नशिप स्कीम के लिए 24 घंटे में 1.55 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने किया रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली/एजेंसी।

पीएम इंटर्नशिप स्कीम को लॉन्च होने के साथ ही अच्छा रिस्पॉन्स मिलना शुरू हो गया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, हाल ही में शुरू की गई पीएम इंटर्नशिप स्कीम के लिए महज 24 घंटे में 1,55,109 उम्मीदवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। स्कीम के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शनिवार को शुरू हो गई थी, पोर्टल पर 24 सेक्टर में 90 हजार से ज्यादा इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध हैं।
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2024 का बजट पेश करते हुए इस स्कीम का ऐलान किया था। स्कीम का उद्देश्य अगले पांच वर्षों में लगभग 1 करोड़ युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना है। इस स्कीम का उद्देश्य युवा बेरोजगारी को दूर करना है और इन युवाओं को प्रशिक्षण के साथ तैयार कर प्रतिभा की तलाश करने वाली कंपनियों से जोड़ना है।
जुबिलैंट फूडवर्क्स, मारुति सुजुकी इंडिया, एलएंडटी, मुथूट फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी प्रमुख निजी कंपनियां उन 193 कंपनियों में शामिल हैं, जिन्होंने प्लेटफॉर्म पर इंटर्नशिप के अवसर पोस्ट किए हैं। इंटर्नशिप 24 सेक्टरों और 20 से अधिक क्षेत्रों में उपलब्ध है, जिनमें परिचालन प्रबंधन, उत्पादन, रखरखाव और बिक्री शामिल हैं। इस पहल को तेल, गैस, ऊर्जा, यात्रा और आतिथ्य, ऑटोमोटिव और बैंकिंग जैसे क्षेत्रों से भी मदद मिली है। यह पोर्टल आधार-आधारित रजिस्ट्रेशन और बायोडाटा जनरेशन जैसे टूल्स के जरिए विभिन्न क्षेत्रों में इंटर्नशिप करने के इच्छुकों की पहुंच बनाता है। इस स्कीम का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के 737 जिलों में 1.2 लाख से अधिक इंटर्नशिप कराना है। इसके अलावा, शीर्ष कंपनियां ऐसे पदों की पेशकश भी कर रही हैं जो रोजगार को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं। स्कीम का प्रबंधन कर रहे कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के अनुसार, यह युवाओं के कौशल को सुनिश्चित करने के लिए सरकार की एक परिवर्तनकारी पहल है, जिससे उनकी रोजगार क्षमता बढ़ेगी। स्कीम के लिए चुने गए युवाओं को एक वर्ष के लिए भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में इंटर्नशिप करने का अवसर मिलेगा और साथ ही 5,000 रुपये प्रतिमाह भत्ता और 6,000 रुपये एकमुश्त अनुदान भी मिलेगा। स्कीम के लिए आवेदन करने के लिए अभ्यर्थियों को हाई स्कूल या हायर सेकेंडरी स्कूल उत्तीर्ण होना चाहिए और इसके साथ आईटीआई से प्रमाण पत्र होना चाहिए या पॉलिटेक्निक संस्थान से डिप्लोमा होना चाहिए । इसके अलावा, बीए, बीएससी, बीकॉम, बीसीए, बीबीए, बी फार्मा आदि डिग्री के साथ स्नातक होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

17 अक्टूबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे नायब सिंह सैनी, तैयारियां तेज

पंचकूला/एजेंसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में 48 सीट जीतकर लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही भाजपा ने इतिहास रचा है। अब हरियाणा की जनता को उनका मुख्यमंत्री मिलने जा रहा है। 17 अक्टूबर को प्रदेश के अगले मुख्यमंत्री के तौर पर नायब सैनी शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भाजपा के कई दिग्गज नेता शामिल होंगे। इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं।
मिली जानकारी के अनुसार, पंचकूला के सेक्टर-5 शालीमार ग्राउंड में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। इससे पहले सेक्टर-5 परेड ग्राउंड में कार्यक्रम रखा गया था। लेकिन किसी कारणवश कार्यक्रम स्थल में बदलाव किया गया है। अब इसे पंचकूला के सेक्टर-5 शालीमार दशहरा ग्राउंड में किया जा रहा है। रविवार को दशहरा ग्राउंड का निरीक्षण करने के लिए पुलिस और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे। यहां शपथ ग्रहण समारोह के लिए भव्य स्टेज तैयार किया जा रहा है।
नायब सैनी ने अभी हाल ही मैं अपने शपथ ग्रहण समारोह के बारे में कहा था, हरियाणा प्रदेश के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता और हरियाणा के दो करोड़ 80 लाख लोगों में उत्साह और जोश का माहौल है। राज्य में भाजपा तीसरी बार लगातार पूर्ण बहुमत के साथ आई है। शपथ ग्रहण समारोह के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समय मिल चुका है। साथ ही पार्टी का शीर्ष नेतृत्व भी समारोह में आ रहा है।
बता दें कि इस साल मार्च में मनोहर लाल की जगह नायब सिंह सैनी को भाजपा ने मुख्यमंत्री बनाया था। वह 17 अक्टूबर को दूसरी बार सीएम पद की शपथ लेंगे।
हरियाणा में 5 अक्टूबर को विधानसभा के लिए वोटिंग हुई थी और 8 अक्टूबर को मतगणना हुई थी। चुनाव परिणाम में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। उसने 90 में से 48 सीटें जीतकर बहुमत का आंकड़ा पार किया। लेकिन, कांग्रेस ने अपनी हार के लिए ईवीएम और चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया। कांग्रेस ने 20 शिकायतों के साथ चुनाव आयोग का भी रुख किया है।

भाई-बहन का रिश्ता हुआ शर्मसार, मायके में रह रही बहन से किया दुष्कर्म, मामला दर्ज

कांगड़ा/एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में पुलिस चौकी आलमपुर के तहत भाई-बहन के रिश्ता को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार भाई ने अपनी सगी बहन के साथ दुष्कर्म किया। अब पीड़ित गर्भवती है। इस संबंध में पीड़िता की भाभी ने अपने पति के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। जानकारी के अनुसार पीड़ित महिला की शादी कुछ वर्ष पहले जयसिंहपुर क्षेत्र में हुई थी। लेकिन महिला पिछले चार वर्ष से अपने मायके में ही शादीशुदा भाई के घर रहती है। पीड़ित महिला के दो बच्चे हैं। पीड़िता का आरोपी भाई भी दो बच्चों का पिता है और उसकी पत्नी ज्यादातर अपने मायके में ही रहती है।
पीड़ित महिला ने रविवार को अपनी भाभी को सारी बात बताई। पीड़िता की शिकायत के अनुसार 6 माह पहले जब उसकी भाभी मायके में थी तो सगे भाई ने उससे जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। उसके पेट में जो बच्चा है, वह उसी का है। इस संबंध में पीड़िता की भाभी ने रविवार रात को ही आलमपुर पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज करवा दी। वहीं लंबागांव के पुलिस एसएचओ अशोक कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की पुष्टी डीएसपी बैजनाथ अनिल शर्मा ने की है।

नवी मुंबई के एनआरआई कॉम्प्लेक्स की बिल्डिग में आग, दमकल की पांच गाडियां मौजूद

मुंबई/एजेंसी। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में सोमवार सुबह बिल्डिंग में आग लग गई। जिस पर पर काबू पाने के लिए मौके पर अग्निशमन की कई गाडियां पहुंच गई। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।
पूरी घटना, नवी मुंबई के एनआरआई कॉम्प्लेक्स के 47 नंबर टावर की है। जिसकी 17वीं मंजिल पर भीषण आग लग गई। घटना के बाद अफरा तफरी मच गई। मौके पर अग्निशमन की कई गाडियां पहुंच चुकी हैं, जो आग बुझाने में लगी हुई हैं।
आग लगने की घटना सुबह छह बजे की बताई जा रही है। घटना के बाद लोगों ने बिल्डिंग को खाली कर दिया। आग किन कारणों से लगी है अभी तक इसका पता नहीं चला है।
मीडिया रिपोर्ट की मानें तो सूचना पाकर मौके पर अग्निशमन की पांच गाडियां पहुंच गई और आग को बुझाने में जुट गई हैं। राहत की बात यह रही कि अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। फिलहाल जब तक हालात पर काबू नहीं पा लिया जाता तब तक लोगों को बिल्डिंग से दूर रहने की हिदायत दी गई है।
बता दें कि इससे पहले छह अक्टूबर को मुंबई के चेंबूर इलाके के सिद्धार्थ कॉलोनी में भी आग ने तबाही मचाई थी। तीन मंजिला इमारत में आग लग गई थी, जिसमें तीन बच्चों समेत सात लोगों की जलकर मौत हो गई थी।

नासिक आने से पहले बड़ा धमाका होगा’एयर इंडिया फ्लाइट के बाद मुंबई हावड़ा मेल को भी बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई/एजेंसी। सोमवार को मुंबई हावड़ा मेल में ब्लास्ट की धमकी दी गई। जांच एजेंसियां अलर्ट मोड में आ गईं और उन्होंने पूरी ट्रेन में तलाशी अभियान चलाया। धमाके की धमकी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर दी गई थी। सोशल मीडिया पोस्ट में टाइमर के जरिए नासिक के बाद धमाके की धमकी दी गई। ‘एक्स’ पोस्ट में महाराष्ट्र पुलिस के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया गया है।
बम धमाके की घटना के बाद मुंबई हावड़ा मेल को सोमवार सुबह चार बजे जलगांव में रोकर तलाशी ली गई। करीब दो घंटे सघन जांच के बाद सुरक्षाकर्मियों को कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला, ऐसे में बम मिलने की धमकी मात्र अफवाह साबित हुई।
फजलुद्दीन नामक अकाउंट के जरिए ट्रेन को उड़ाने की धमकी दी गई। इसमें लिखा था कि क्या रे हिंदुस्तानी रेलवे आज सुबह खून के आंसू रोओगे तुम लोग आज फ्लाइट में भी बम रखवाया है और 12809 ट्रेन में भी रखवाया है नासिक आने से पहले बड़ा धमाका होगा।
बता दें कि इससे पहले मुंबई से न्यूयॉर्क जा रहे एयर इंडिया के विमान को बम से उड़ाने की धमकी भी मिली। इसके बाद हवाई जहाज को दिल्ली की तरफ डायवर्ट कर दिया गया। फिलहाल तलाशी जारी है। जिसके बाद विमान को दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड कराया गया। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां फ्लाइट की गहनता से जांच कर रही हैं।
दिल्ली पुलिस की ओर से इसे लेकर जानकारी उपलब्ध कराई गई है। कहा गया है, मुंबई से न्यूयॉर्क जा रहे एयर इंडिया के एक विमान को फ्लाइट में बम की धमकी के मद्देनजर दिल्ली डायवर्ट कर दिया गया। विमान फिलहाल आईजीआई एयरपोर्ट पर खड़ा है और उसमें सवार यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।
जानकारी के मुताबिक एयर इंडिया विमान ने देर रात 2 बजे मुंबई स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे से उड़ान भरी थी। विमान न्यूयॉर्क जा रहा था। फ्लाइट को टेकऑफ हुए थोड़ा ही वक्त बीता था कि उसे बम से उड़ाने की धमकी मिली जिसके बाद दिल्ली डायवर्ट कराया गया।

आजम खान को बड़ा झटका, सरकारी जमीन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की याचिका

नई दिल्ली/एजेंसी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट ने हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी जिसमें रामपुर में जौहर स्कूल के लिए आवंटित जमीन के पट्टे को रद्द कर दिया गया था और उत्तर प्रदेश सरकार को भूमि अधिग्रहण की इजाजत दे दी गई थी।
शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट के फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया। इससे पहले याचिकाकर्ता आजम खान की तरफ से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल पैरवी कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट में जिरह के दौरान उन्होंने कहा कि अभी स्कूल में 300 बच्चे पढ़ रहे हैं, लिहाजा उत्तर प्रदेश के हाईकोर्ट आदेश पर रोक लगाया जाए और प्रदेश सरकार के फैसले को रद्द किया जाए। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा वाली पीठ ने यूपी सरकार को ये आदेश दिया कि राज्य सरकार ये सुनिश्चित करें वहां पढ़ रहे करीब 300 छात्रों का दाखिला दूसरे शैक्षणिक संस्थानों में हो सके।
दरअसल, हाईकोर्ट ने रामपुर में मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट को सरकारी जमीन का पट्टा मामले में सपा नेता खिलाफ फैसला सुनाया था। मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट की कार्यकारिणी समिति की तरफ से हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की थी, जिसको रद्द कर दिया गया। आजम खान मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं।
बता दें कि इससे पहले 28 अगस्त को आजम खान को एक अन्य मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट से बड़ी राहत मिली थी। उनको 2019 में आचार संहिता उल्लंघन मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट ने बरी कर दिया था सबूतों के अभाव के चलते उन पर आचार संहिता का उल्लंघन नहीं पाया गया और वो इस केस से दोषमुक्त हो गए थे।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की दूसरी तिमाही में शुद्ध मुनाफा 9.4 फीसदी बढ़कर 16,563 करोड़ रुपए पहुंचा

चमकता राजस्थान

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए 9.4 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर्ज की है। कंपनी का शुद्ध मुनाफा 16,563 रुपए करोड़ हो गया, जो पिछली तिमाही में 15,417 करोड़ रुपए था। हालांकि, परिचालन से प्राप्त आय मामूली गिरावट के साथ 2.35 लाख करोड़ रुपए रही, जो पिछली तिमाही में 2.36 लाख करोड़ रुपए थी।
रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, मुक`श डी. अंबानी ने परिणामों पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि इस तिमाही में रिलायंस ने अपने विविध व्यापार पोर्टफोलियो की मजबूती को फिर से साबित किया है। डिजिटल सेवाओं और अपस्ट्रीम व्यवसाय में मजबूत वृद्धि ने हमारे व्यवसाय की कमजोरियों को आंशिक रूप से संतुलित किया है, जो वैश्विक मांग-आपूर्ति असंतुलन से प्रभावित रहा है।

डिजिटल सेवाओं का महत्वपूर्ण योगदान

रिलायंस जियो का प्रदर्शन इस तिमाही में खासा उल्लेखनीय रहा। जियो प्लेटफॉर्म्स, जो कंपनी की सभी डिजिटल सेवाओं को संचालित करता है, का शुद्ध मुनाफा 6,536 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। डिजिटल सेवाओं में वृद्धि मुख्य रूप से जियो के औसत मासिक राजस्व में 7.4 प्रतिशत की सालाना वृद्धि से हुई है, जो हाल ही में की गई टैरिफ बढ़ोतरी का परिणाम है। कंपनी ने बताया कि टैरिफ बढ़ोतरी का पूरा असर आने वाले 2-3 तिमाहियों में देखने को मिलेगा। जियो ने 5जी सेवाओं में अपनी स्थिति को और मजबूत किया है। रिपोर्ट के अनुसार, 148 मिलियन उपभोक्ता पहले ही 5जी सेवा में अपग्रेड कर चुके हैं, और यह सेगमेंट रिलायंस जियो के कुल वायरलेस डेटा ट्रैफिक का 34 प्रतिशत योगदान करता है। कंपनी ने यह भी बताया कि हाल ही में लॉन्च की गई जिओ एयर फाइबर सेवाओं की वजह से होम ब्रॉडबैंड सेगमेंट में तेज़ी से विकास हो रहा है।

● आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर ध्यान

रिलायंस डिजिटल सेवाएं देश भर में गहन तकनीकी समाधान प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं और हर भारतीय को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के फायदे पहुंचाने की दिशा में तेजी से काम कर रही हैं। कंपनी ने कहा कि उनका डिजिटल इकोसिस्टम भारत के हर गांव, कस्बे और शहर के साथ-साथ छोटे और मझोले उद्योगों को डिजिटल सशक्तिकरण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

● रिलायंस रिटेल का शानदार प्रदर्शन

रिलायंस रिटेल वेंचर्स का भी इस तिमाही में मजबूत प्रदर्शन रहा। कंपनी ने 2,935 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया, जो पिछली तिमाही के मुकाबले लगभग 20 प्रतिशत अधिक है। वहीं, परिचालन से आय 66,502 करोड़ रुपए रही, जो पिछली तिमाही में 66,260 करोड़ रुपए थी।
मुकेश अंबानी ने कहा, ₹हमारा रिटेल सेगमेंट अपने फिजिकल और डिजिटल चैनलों के माध्यम से उपभोक्ताओं को व्यापक उत्पाद विकल्प और सुविधाएं प्रदान कर रहा है। हमारी अनूठी ओम्नी-चैनल रिटेल मॉडल विविध और विशाल ग्राहक आधार की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है।₹ रिलायंस का यह प्रदर्शन यह दर्शाता है कि कंपनी के पास मजबूत और विविध पोर्टफोलियो है, जो बाजार की चुनौतियों के बावजूद सतत वृद्धि देने में सक्षम है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929